RNI No.
RJBIL/26/A5611

जयपुर, राजस्थान
मौसम

अधिकतम	न्यूनतम
33.0°C	26.0°C

सूर्योदय	सूर्यास्त
5:57 AM	7:06 PM

दैनिक
ज़ूम न्यूज़ राजस्थान
खबरों की दुनिया में आपका भरोसेमंद साथी

संपर्क करें
9461119998
info@zoomnews.in
www.zoomnews.in

वर्ष: 01 | अंक: 40 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: ₹2.00 | जयपुर, सोमवार 24 अगस्त, 2026 | जयपुर, राजस्थान | राज्य: 01 | अंग्रेजी/हिन्दी (द्विभाषिक दैनिक)

जयपुर में 6 मंजिला बिल्डिंग में भीषण आग, 15 वाहन जले; 80 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला

जूम न्यूज़

जयपुर। कालवाड़ थाना क्षेत्र स्थित मंगलम सिटी में रविवार दोपहर करीब 2:45 बजे छह मंजिला रिहायशी बिल्डिंग में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग सबसे पहले पार्किंग क्षेत्र में लगी, जिसके बाद वहां खड़े वाहन इसकी चपेट में आ गए। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पार्किंग में खड़ी 3 कारें तथा 12 मोटरसाइकिलें जलकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। आग लगने के बाद बिल्डिंग में धुआं तेजी से फैल गया। इस दौरान 80 से अधिक लोग इमारत के अंदर फंस गए और लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर कालवाड़ थाना पुलिस और दमकल की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से बिल्डिंग में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। सुरक्षा को देखते हुए आसपास का क्षेत्र भी खाली कराया गया। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचते ही आग बुझाने का काम शुरू किया। पार्किंग में खड़े वाहनों में आग लगी होने के कारण लपटें काफी तेज थीं और धुआं पूरी बिल्डिंग में फैल गया था। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल टीम ने आग पर पूरी तरह काबू पाया। समय रहते आग बुझाने और लोगों को बाहर निकालने से बड़ा हादसा टल गया। कालवाड़ थाना अधिकारी दिलीप सिंह के अनुसार, हादसे में किसी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी। पुलिस और संबंधित विभाग की टीम घटना में हुए नुकसान का आकलन कर रही है। हादसे के बाद बिल्डिंग में रहने वाले लोगों और आसपास के क्षेत्र में काफी देर तक दहशत का माहौल रहा। पार्किंग में खड़े 15 वाहनों के जलने से लाखों रुपये के नुकसान की आशंका है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। आग बुझाए जाने के बाद भी काफी देर तक पूरी इमारत में धुएं का असर बना रहा। दमकल कर्मियों ने सभी मंजिलों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया कि कहीं किसी कमरे या अन्य हिस्से में आग की कोई चिंगारी शेष न रह गई हो। धुएं के कारण कई लोगों को सांस लेने में परेशानी हुई, जिसके चलते उन्हें कुछ समय के लिए खुले स्थान पर रखा गया। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करते हुए लोगों को इमारत से सुरक्षित दूरी पर रहने की हिदायत दी। घटना के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने पार्किंग क्षेत्र का निरीक्षण किया। आग की चपेट में आए वाहनों के आसपास जले हुए सामान और मलबा बिखरा हुआ मिला। तेज लपटों के कारण पार्किंग की छत और आसपास की दीवारों पर भी धुएं और आग के निशान दिखाई दिए। दमकल कर्मियों ने पानी की बौछार कर प्रभावित हिस्से को पूरी तरह ठंडा किया, ताकि दोबारा आग भड़कने की आशंका न रहे। आग लगने के दौरान सबसे बड़ी चुनौती धुएं का तेजी से ऊपरी मंजिलों तक पहुंचना रही। इमारत में रहने वाले लोगों को जब धुआं दिखाई दिया तो कई परिवार अपने घरों से बाहर निकलकर सीढ़ियों की ओर दौड़े। कुछ लोगों ने अपने स्तर पर आसपास के लोगों को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने के बाद बचाव कार्य को व्यवस्थित किया गया और एक-एक कर लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया गया। धुएं का गुबार इतना घना था कि इमारत के भीतर लोगों को रास्ता दिखाई देना मुश्किल हो रहा था। ऐसे में पुलिस और दमकल कर्मियों ने सावधानी बरतते हुए लोगों को बाहर निकाला। विशेष रूप से ऊपरी मंजिलों पर यह देखा गया कि कहीं धुएं के कारण कोई व्यक्ति कमरे के भीतर तो नहीं रह गया है। आग के दौरान पार्किंग में खड़े वाहनों के लगातार जलने से स्थिति तेजी से बिगड़ गई थी।

चीनी पर चढ़ी सियासी गर्मी: जूली बोले- आम आदमी की चाय भी महंगी, सरकार की मॉनिटरिंग गायब

जूम न्यूज़

जयपुर। त्योहारों के सीजन से पहले चीनी की बढ़ती कीमतों को लेकर राजस्थान में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने रविवार को चीनी के दामों में बढ़ोतरी को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि चीनी हर घर की जरूरत है, लेकिन इसकी कीमतों पर सरकार की प्रभावी मॉनिटरिंग नजर नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि बढ़ती कीमतों का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। जूली ने कहा कि अमीर हो या गरीब, हर परिवार में चीनी का इस्तेमाल होता है। आम आदमी के दिन की शुरुआत चाय से होती है और चाय के लिए भी चीनी जरूरी है। त्योहारों का सीजन सामने है, ऐसे में चीनी के दाम बढ़ने से आम परिवारों का बजट प्रभावित हो सकता है। उन्होंने कहा कि गांवों और ग्रामीण परिवारों पर महंगाई का असर और अधिक पड़ता है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि महंगाई का संकट केवल चीनी तक सीमित नहीं है। कभी दाल, कभी खाद्य तेल और कभी आटे की कीमतों में बढ़ोतरी होती है। अब चीनी के दाम बढ़ने से भी आम आदमी पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए उसकी क्या योजना है। उन्होंने कहा कि गन्ने का इस्तेमाल एथेनॉल बनाने में होने से चीनी के उत्पादन और उपलब्धता पर असर पड़ रहा है।

रांची-हजारीबाग के कोचिंग संस्थानों पर सीआईडी की दबिश, कई दस्तावेज जब्त

जूम न्यूज़

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षाओं में मेधा घोटाले की जांच कर रही सीआईडी ने रविवार को रांची और हजारीबाग में कई ठिकानों पर तलाशी ली। जांच एजेंसी ने दो कोचिंग संस्थानों और उनसे जुड़े लोगों के परिसरों की तलाशी लेकर मामले से संबंधित दस्तावेज और अन्य साक्ष्य जुटाए हैं। इन संस्थानों पर अभ्यर्थियों को परीक्षा में पास कराने के लिए कथित तौर पर सेटिंग कराने और परीक्षा प्रक्रिया में हेरफेर कराने में भूमिका होने का संदेह है। सीआईडी थाना कांड संख्या 16/2026 के तहत चल रही जांच के क्रम में टीम ने रांची के लालपुर स्थित 'शिवांगन की पाठशाला' में तलाशी ली। इसके अलावा संस्थान के निदेशक-संचालक संजीत कुमार के रातू रोड स्थित आवास की भी जांच की गई। हजारीबाग में 'मेघा कोचिंग सेंटर' के परिसर में भी सीआईडी टीम ने दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड की पड़ताल की। तलाशी के दौरान मिले कुछ दस्तावेजों को जांच के लिए जब्त किए जाने की जानकारी है। उसके साथ उसकी पत्नी सुषमा कुमारी और भाई अक्षय तिवारी से भी पूछताछ की जा रही है।

श्रीनगर सेंट्रल जेल से पॉक्सो के दो आरोपी फरार, पूरे जम्मू-कश्मीर में अलर्ट जारी

जूम न्यूज़

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर सेंट्रल जेल से पॉक्सो अधिनियम के दो आरोपी रविवार को फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने दोनों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू कर दिया है और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में अलर्ट जारी किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपी अलग-अलग पॉक्सो मामलों में श्रीनगर सेंट्रल जेल में बंद थे। जेल से फरार होने के बाद उनकी गिरफ्तारी के लिए लुकआउट नोटिस जारी किए गए हैं। कश्मीर जोन पुलिस द्वारा जारी नोटिस के अनुसार पहला आरोपी मुख्तार अहमद गुज्जर है, जो अनंतनाग जिले के संगलान चिटरगुल का निवासी है। उसके खिलाफ सौरा थाने में दर्ज एफआईआर संख्या 20/2026 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 137(2) और 65(1) तथा पॉक्सो एक्ट की धाराओं 3/4 के तहत मामला दर्ज है। दूसरा आरोपी फरमान खान है, जो सदनपोरा रागिस्तान का निवासी है। उसके खिलाफ लार थाने में दर्ज एफआईआर संख्या 19/2026 में बीएनएस की धाराओं 137(2) और 87 तथा पॉक्सो एक्ट की धाराओं 3/4 के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश के लिए व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। उनके खिलाफ दर्ज मामलों के अलावा जेल से फरार होने के मामले में भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि आरोपियों के बारे में कोई भी जानकारी मिलने पर निकटतम पुलिस स्टेशन या आपातकालीन नंबर 112 पर सूचना दें। पुलिस ने कहा है कि आरोपियों की गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा। दोनों आरोपियों के घर और उनके संभावित आने-जाने वाले स्थानों पर भी नजर रखी जा रही है।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में मेस शुल्क बढ़ोतरी और खराब भोजन के विरोध में भूख हड़ताल, आंदोलन पर उतरे छात्र

जूम न्यूज़

रांची। रांची के मनातू स्थित सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में मेस शुल्क बढ़ाए जाने और भोजन की खराब गुणवत्ता के विरोध में छात्र आंदोलन पर उतर आए हैं। कुछ छात्रों ने इसे लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है, जबकि बड़ी संख्या में छात्र विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार पर धरने पर बैठे हैं। रविवार दोपहर शुरू हुआ यह धरना देर रात तक जारी था। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने मेस शुल्क में बढ़ोतरी का फैसला बिना किसी पूर्व सूचना और छात्र प्रतिनिधियों से चर्चा के लिया। छात्रों के मुताबिक, शुल्क बढ़ने के बावजूद भोजन की गुणवत्ता में सुधार के बजाय लगातार गिरावट आई है। इससे छात्रों में असंतोष बढ़ता गया और मामला आंदोलन तक पहुंच गया। छात्रों ने बढ़ी हुई मेस फीस तत्काल वापस लेने की मांग की है। इसके अलावा भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, मेस का साप्ताहिक मेन्यू तय करने में छात्रों को शामिल करने और भोजन उपलब्ध कराने वाले वेंडर की कथित लापरवाही के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी उठाई गई है। छात्रों का आरोप है कि मेस की व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को लेकर पहले भी विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष शिकायतें रखी गई थीं, लेकिन उन पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि मेस शुल्क में किसी भी तरह का बदलाव छात्रों पर सीधे आर्थिक बोझ डालता है। इसलिए ऐसे निर्णय से पहले छात्र प्रतिनिधियों से बातचीत जरूरी है। रविवार को छात्रों ने मुख्य गेट पर जुटकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया। देखते ही देखते प्रदर्शन में छात्रों की संख्या बढ़ती गई। छात्र शुल्क बढ़ोतरी वापस लेने और मेस व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर नारेबाजी करते रहे। इसी दौरान कुछ छात्रों ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठने की घोषणा कर दी। आंदोलन की

जानकारी मिलने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारी और सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने छात्रों से बातचीत की और धरना समाप्त करने की अपील की। प्रशासन की ओर से वार्ता के माध्यम से समस्या का समाधान निकालने की कोशिश की गई, लेकिन छात्र अपनी मांगों पर लिखित आश्वासन देने की मांग पर अड़े रहे। भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों ने कहा कि केवल आश्वासन से आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। उनका कहना है कि बढ़ी हुई फीस वापस लेने, भोजन की गुणवत्ता सुधारने और मेस संचालन में छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने के संबंध में लिखित एवं स्पष्ट निर्णय होने के बाद ही आंदोलन समाप्त करने पर विचार किया जाएगा। छात्रों के आंदोलन के चलते विश्वविद्यालय परिसर में देर रात तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। मुख्य प्रवेश द्वार पर धरने के कारण आने-जाने वाले छात्रों और कर्मचारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने कोलकाता में अवैध निर्माण को गिराने पर लगाई रोक

जूम न्यूज़

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने रविवार को एक खास सुनवाई में दक्षिण कोलकाता के टॉलीगंज इलाके में एक 'अवैध' निर्माण को गिराने पर अंतरिम रोक लगा दी। जस्टिस राजा बसु चौधरी की बेंच ने आदेश दिया कि अगले 30 दिनों तक गिराने का नोटिस लागू नहीं किया जा सकता, और इस तरह, कोलकाता नगर निगम (केएमसी) वहां गिराने का काम नहीं कर पाएगा। इस दौरान, शिकायतकर्ता कानूनी रास्ता अपना सकता है। टॉलीगंज में सतीश मुखर्जी रोड पर 51/1ए और 51/1बी पते पर 'अवैध' निर्माण का आरोप लगाया गया था, और केएमसी ने इस पर तुरंत कार्रवाई की। रविवार को इसे गिराने के लिए इलाके में एक बुलडोजर लाया गया और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। हालांकि, स्थानीय लोगों की पुलिस से बहस हो गई। अनीता दास ने कोर्ट में दावा किया कि वह लंबे समय से उस पते पर रह रही हैं।

भारत-मॉरीशस ने ऊर्जा साझेदारी मजबूत करने पर की चर्चा, तेल-गैस सहयोग के दो अहम समझौतों का आदान-प्रदान

जूम न्यूज़

पोर्ट लुई। भारत और मॉरीशस ने ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात कर दोनों देशों के बीच ऊर्जा साझेदारी को आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की। भारतीय उच्चायोग ने रविवार को एक्स पर बताया कि बैठक के दौरान हरदीप सिंह पुरी ने मॉरीशस की ऊर्जा सुरक्षा और ऊर्जा परिवर्तन (एनर्जी ट्रांजिशन) में भारत की निरंतर प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक के बाद दोनों देशों के बीच तेल और गैस सहयोग को लेकर सरकार-से-सरकार (जी-टू-जी) समझौता ज्ञापन (एमओयू) और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) तथा मॉरीशस की स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन के बीच एक समझौते का आदान-प्रदान किया गया। भारतीय उच्चायोग के अनुसार, इन समझौतों के तहत मॉरीशस को पेट्रोल, डीजल, मरीन गैस ऑयल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इससे ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव से सुरक्षा मिलेगी और देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी।

गाजा में फिर बरसी इजरायली सेना की आफत, 4 साल के मासूम समेत दो की मौत, 7 घायल

जूम न्यूज़

यरूशलम। इजरायल की सेना लगातार गाजा में हमला कर रही है। इस बीच ताजा हमलों में कम से कम दो लोगों के मारे जाने की खबर मिली है। इनमें एक 4 साल का मासूम बच्चा भी शामिल है। इसके अलावा सात अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। इसकी पुष्टि फिलिस्तीन के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने की है। अलजजीरा ने अपनी रिपोर्ट में स्थानीय लोगों के हवाले से बताया कि इन हमलों में एक हमला जवायदा शहर में हुआ है, जहां एक इमारत क्षतिग्रस्त हो गई है। उन्होंने बताया कि इससे पहले इजरायली सेना ने नागरिकों को अपनी संपत्ति और इलाका छोड़ने के लिए चेतावनी दी थी। स्वास्थ्यकर्मी का कहना है कि घटनास्थल से दर्जनों मीटर दूर तक मलबा और छर्रे उड़े हैं। इसमें कम से कम 6 लोग घायल हुए हैं। विस्थापित फिलिस्तीनी अबू अहमद ने बताया कि यह युद्धविराम जैसा कुछ भी नहीं है।

गुजरात में जहरीली शराब त्रासदी में दो और लोगों की मौत, मृतकों की संख्या 13 हुई

जूम न्यूज़

भावनगर। भावनगर जिले में मेथनॉल मिश्रित नकली शराब पीने से दो और लोगों की मौत हो गई है, जिससे गुजरात में जहरीली शराब त्रासदी में मरने वालों की संख्या 13 हो गई है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि तीन से पांच मरीज अभी भी इलाज करा रहे हैं। भावनगर जिला कलेक्टर मनीष कुमार बंसल ने बताया कि 36 वर्षीय मुकेश मनीलाल दामोर की शनिवार देर रात मौत हो गई, जबकि 42 वर्षीय भार्गव उपाध्याय को आज सुबह मृत घोषित कर दिया गया। ये मौतें ऐसे समय हुई हैं जब राज्य निगरानी प्रकोष्ठ (एसएमसी) जहरीली शराब के निर्माण और वितरण की जांच जारी रखे हुए है। एसएमसी ने वर्तेज पुलिस स्टेशन में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआरआई) में आरोपी बनाए गए 21 लोगों में से 13 को गिरफ्तार कर लिया है। एक स्थानीय अदालत ने गिरफ्तार आरोपियों को 1 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। जांचकर्ता उन संदिग्धों की भी तलाश कर रहे हैं जिनके बारे में माना जाता है कि वे अवैध शराब बनाने के लिए मध्य प्रदेश से भावनगर आए थे।

सूत्रों के अनुसार, 47 वर्षीय नरेंद्रसिंह यादव उर्फ डॉक्टर ने शराब बनाने में मदद की थी। उनकी भी शराब पीने से मौत हो गई। यादव इंदौर के निवासी थे। जांच में संदिग्ध शराब की जब्त की गई बोतल में 38.59 प्रतिशत मेथनॉल पाया गया। सूत्रों के मुताबिक, एसएमसी मध्य प्रदेश के अन्य आरोपियों का पता लगाने की कोशिश कर रही है और वहां से हिरासत में लिए गए लोगों को गुजरात लाने के लिए ट्रांजिट वारंट जारी करने की मांग कर रही है। आगे और गिरफ्तारियां होने की आशंका है। एसएमसी के महानिरीक्षक गगनदीप गंभीर शनिवार को चल रही जांच के सिलसिले में भावनगर पहुंचे। यह घटना अगस्त के मध्य में घोघा तालुका के खरकड़ी गांव और आसपास के इलाकों में आयोजित समारोहों में शराब पीने के बाद कई लोगों के बीमार पड़ने के बाद सामने आई। पुलिस ने बाद में पाया कि शराब 'रॉयल स्टैग' ब्रांड से मिलते-जुलते स्टिकर वाली बोतलों में बेची जा रही थी। पुलिस जांच में आरोप लगाया गया है कि शराब गुजरात के बाहर से लाई गई थी, उसमें मिलावट की गई थी और एक बड़े नेटवर्क के माध्यम से वितरित की गई थी।

संपादकीय

चलती लो-फ्लोर बस में लगी आग, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजधानी जयपुर में JCTSL की चलती लो-फ्लोर बस में रविवार को अचानक आग लग गई। कालवाड़ से चांदपोल जा रही रूट नंबर 24 की बस RJ14PD 8538 के इंजन में आग लगने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें उठते ही यात्री बस से उतरकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचे। राहत की बात रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने के दौरान बस में रखा फायर एक्सटिंग्विशर खाली मिला। इसके बाद पीछे आ रहे पानी के टैंकर को रुकवाकर आग पर काबू पाया गया। इससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद JCTSL बसों के रखरखाव पर सवाल उठने लगे हैं। कर्मचारी संगठन से जुड़े पदाधिकारी के अनुसार बसों के रखरखाव की जिम्मेदारी निजी कंपनी को दी गई है, लेकिन तकनीकी जांच को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

बताया गया कि आग लगने वाली बस मार्च में अपनी निर्धारित संचालन अवधि पूरी कर चुकी थी, जिसके बावजूद उसकी अवधि बढ़ाकर संचालन जारी रखा गया। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा और बसों के रखरखाव को लेकर जिम्मेदारी तय करने की मांग उठ रही है। कुछ ही देर में धुआं बढ़ने के साथ आग की लपटें दिखाई देने लगीं। चालक ने तत्काल बस को रोककर यात्रियों को नीचे उतरने के लिए कहा।

जयपुर और यामानाशी ज्वैलरी एसोसिएशन्स मिलकर बढ़ाएं व्यापार, रोजगार के अधिकाधिक अवसर करें सृजित

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान और जापान के बीच वर्षों पुराना नाता है। ऐसे में, राज्य सरकार राजस्थान और जापान के बीच रत्न-आभूषण सहित अन्य उद्योगों के विकास के लिए रोडमैप बनाकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में जापानी जोन बनाकर विशेष सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिससे जापानी कम्पनियों को अनुकूल आधारभूत सुविधाएं सुलभ हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने रविवार को जापान के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर उद्योगों एवं निवेश को लेकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जयपुर ज्वैलरी एसोसिएशन और यामानाशी ज्वैलरी एसोसिएशन मिलकर तकनीक और निवेश के साथ रत्न-आभूषण व्यापार को और आगे लेकर जाएं, जिससे व्यापार बढ़ने के साथ ही रोजगार के भी ज्यादा से ज्यादा अवसर सृजित हों। उन्होंने 2024 में अपने जापान दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि जापानी कम्पनियों ने राजस्थान में निवेश पर तीन से चार गुना फायदे पर आभार भी जताया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जापान के निवेशकों को राजस्थान में उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित करती है। बैठक में जापान के कोफू सिटी मेयर युइची हिगुची ने राजस्थान सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों और यहां उपलब्ध निवेश अवसरों की सराहना करते हुए कहा कि जापान की 180 कम्पनियां राजस्थान में कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर और कोफू सिटी के ज्वैलर्स मिलकर पूरी दुनिया में ज्वैलरी का बिजनेस कर रहे हैं। जयपुर की लगभग 60 कम्पनियां कोफू सिटी में ज्वैलरी का कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और जापानी प्रतिनिधिमंडल ने राधे-राधे कहकर एक-दूसरे का अभिवादन किया। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, जयपुर ज्वैलरी एसोसिएशन के अध्यक्ष राजू अग्रवाल मंगोड़ीवाला, यामानाशी ज्वैलरी एसोसिएशन इंटरनेशनल कमेटी के चेयरमैन नवीन सोनकिया, कोशिन कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष काजुओ मात्सुमोटो, क्रिएट ताकानो कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष चिकारा यानागिमोटो, द यामानाशी चुओ बैंक लिमिटेड के वरिष्ठ सलाहकार नकाबा शिंदो, कोफू बिल्डिंग कंपनी लिमिटेड के चेयरमैन तेत्सुजी सकामोटो, कोफू सिटी उद्योग विभाग के महानिदेशक ताकेयासु तनाका, कोफू सिटी वाणिज्य एवं उद्योग

प्रभाग के प्रबंधक सातोशी त्सुनोदा, ईगाडो कंपनी लिमिटेड के उपाध्यक्ष तादाओ शिमुरा, क्रॉसफोर कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष अकीहिको नाइतो, कोफू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रबंधक शिगेमासा सुजुकी, कोफू सिटी अंतरराष्ट्रीय संबंध प्रभाग के मेयर कार्यालय प्रबंधक शुनिची हागिहारा सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में रत्न एवं आभूषण उद्योग की समृद्ध परंपरा के साथ आधुनिक तकनीक और निवेश को जोड़कर इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जापान की तकनीकी विशेषज्ञता और राजस्थान के कुशल कारीगरों की क्षमता का बेहतर समन्वय दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाई दे सकता है। इसके लिए राज्य सरकार आवश्यक नीतिगत सहयोग और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेश के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने पर लगातार काम किया जा रहा है। उद्योगों को भूमि, आधारभूत सुविधाएं, बिजली, पानी और अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ प्रक्रियाओं को सरल बनाने की दिशा में भी कदम उठाए गए हैं। जापानी कंपनियों के लिए विकसित विशेष क्षेत्रों का उद्देश्य उन्हें अपने उद्योग स्थापित करने और उनका विस्तार करने के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि रत्न एवं आभूषण के अलावा विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, कौशल विकास और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी दोनों पक्षों के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। जापानी प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान में निवेश के लिए उपलब्ध अवसरों और राज्य सरकार की नीतियों की सराहना की।

दौसा रेलवे स्टेशन पर RPF जवानों की मुस्तैदी से बची महिला की जान

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

दौसा। गृह क्लेश से परेशान एक महिला ने रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। लेकिन मौके पर तैनात रेलवे सुरक्षा बल के जवानों की तत्परता से महिला की जान बच गई। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। जिसमें महिला ट्रेन के आगे कूदने का प्रयास करती दिखाई दे रही है। महिला करीब 2 घंटे से रेलवे स्टेशन पर बैठी हुई थी। इसी दौरान ट्रेन स्टेशन पर पहुंची। जिसे आते देखकर महिला अचानक दौड़कर उसके सामने कूदने का प्रयास करने लगी। तभी ड्यूटी पर तैनात RPF स्टाफ ने दौड़कर महिला को पकड़ लिया। जवानों ने चंद सेकंड पहले ही महिला को पकड़कर ट्रैक से दूर कर दिया, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। घटना के बाद RPF ने महिला से पूछताछ की। महिला ने बताया कि वह गृह क्लेश के चलते सुसाइड करने के इरादे से रेलवे स्टेशन पहुंची थी। समझाइश के बाद पुलिस ने महिला को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

बांध बरेठा का पानी भरने से नगला दीवान-खुडासा मार्ग हुआ जलमग्न, ग्रामीण परेशान

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

भरतपुर। भरतपुर जिले की बयाना-रूपवास विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नगला दीवान से खुडासा को जोड़ने वाला मुख्य रास्ता बांध बरेठा से छोड़े गए पानी के कारण पूरी तरह जलमग्न हो गया है। रास्ते पर करीब दो से तीन फीट तक पानी जमा होने से ग्रामीणों और स्कूल जाने वाले बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार पानी भरने के कारण आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। स्कूल जाने वाले बच्चों को पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे उनके कपड़े और किताबें खराब होने के साथ-साथ दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग आसपास के गांवों के लिए प्रमुख आवागमन का रास्ता है, लेकिन लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि समस्या के संबंध में कई बार संबंधित अधिकारियों को सूचना दी गई और समस्या के समाधान की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद उनकी समस्या पर जनसुनवाई नहीं हो रही है। मुख्य रास्ते पर पानी जमा होने से बुजुर्गों, महिलाओं, विद्यार्थियों और रोजमर्रा के काम के लिए आने-जाने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है।

जयपुर के बाद जोधपुर में CJP कार्यकर्ता की पिटाई:भाजयुमो कार्यकर्ता ने थप्पड़ मारा

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

राजस्थान के जोधपुर में रविवार को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के कार्यक्रम में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमा) के कार्यकर्ता ने CJP कार्यकर्ता को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद CJP और ABVP के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई।

पुलिस ने ABVP और भारतीय जनता युवा मोर्चा के 2 पदाधिकारियों समेत 11 लोगों को हिरासत में लिया है। कॉकरोच जनता पार्टी का कार्यक्रम जोधपुर के गांधी शांति प्रतिष्ठान में हो रहा था। डीसीपी ईस्ट मनीष कुमार चौधरी ने कहा- कुछ लोग सीजेपी के कार्यक्रम में चारदीवारी कूदकर आने की कोशिश कर रहे थे। इसके चलते कुछ लोगों को डिटेन किया है। मारपीट की सूचना आएगी तो आगे की कार्रवाई करेंगे। 2 दिन पहले 21 अगस्त को जयपुर में रामपुरा-कंवरपुरा गांव में सरकारी स्कूल के निरीक्षण के दौरान CJP कार्यकर्ताओं पर हमला हुआ था। CJP ने कार्रवाई के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था।

खाटूश्यामजी में पुत्रदा एकादशी का दो दिवसीय मेला शुरू, फूलों और ड्राई फ्रूट से सजा बाबा का दरबार

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सीकर। विश्व प्रसिद्ध खाटूश्यामजी धाम में सावन मास की पुत्रदा एकादशी के अवसर पर रविवार से दो दिवसीय मासिक मेला शुरू हो गया। एकादशी और रविवार के संयोग को देखते हुए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मंदिर कमेटी और प्रशासन ने सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं। श्री श्याम मंदिर कमेटी के मंत्री मानवेंद्र सिंह चौहान के अनुसार बाबा श्याम का दरबार कोलकाता और बेंगलुरु से मंगाए गए विशेष फूलों और ड्राई फ्रूट से सजाया गया है। गर्मी को देखते हुए मंदिर परिसर में पानी और गुलाब जल का छिड़काव किया जा रहा है। रींगस से पैदल आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ रही है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए 650 से अधिक पुलिसकर्मी, होमगार्ड, आरएसी जवान और मंदिर सेवादार तैनात किए गए हैं। सीसीटीवी कैमरों के जरिए कंट्रोल रूम से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। मेले के दौरान श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के कपाट 24 घंटे खुले रहेंगे। हालांकि बाबा के श्रृंगार के समय कुछ देर के लिए कपाट बंद किए जाएंगे। दो दिवसीय मेले का समापन सोमवार को द्वादशी के अवसर पर शयन आरती के बाद होगा। प्रशासन और मंदिर कमेटी ने श्रद्धालुओं से व्यवस्था बनाए रखने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है। मेले को लेकर मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में श्रद्धालुओं की आवाजाही लगातार बढ़ती जा रही है। रविवार सुबह से ही खाटूश्यामजी पहुंचने वाले मार्गों पर भक्तों की भीड़ दिखाई देने लगी।

दूर-दराज के जिलों से आने वाले श्रद्धालु पैदल यात्राओं और निजी वाहनों के जरिए धाम पहुंच रहे हैं। कई श्रद्धालु बाबा श्याम के दर्शन के लिए रात से ही कतार में लग गए। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन ने प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए हैं।

सरकारी विद्यालयों को राजनीति का अखाड़ा न बनाया जाए

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

दौसा। सरकारी विद्यालयों को राजनीति का अखाड़ा नहीं बनाया जाना चाहिए। कतिपय दलों के लोग सरकारी विद्यालयों की जांच के नाम पर अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर रहे हैं, जो शैक्षणिक वातावरण को दूषित करने का घृणित प्रयास है।

वही आरपीएससी शिक्षक फोरम के पदाधिकारियों ने कहा कि आए दिन विद्यालयों में चारित्रिक दोष की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन पर भी लगाम लगानी चाहिए। इस तरह की घटनाएं शिक्षा जगत को शर्मसार करती हैं और इन पर सख्त कार्रवाई जरूरी है।

इस संबंध में फोरम के जिला संयोजक कैलाश शर्मा ने कहा कि विद्यालय मंदिर हैं और इन्हें राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना गलत है। अवलोकन के नाम पर विद्यालयों का शैक्षिक वातावरण दूषित होता है।

बीकानेर रोड पर दो दिन से जारी धरना समाप्त, प्रशासन के आश्वासन पर बनी सहमति

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सरदारशहर। सरदारशहर के बीकानेर रोड पर लंबे समय से चली आ रही जलभराव की समस्या को लेकर व्यापारियों द्वारा पिछले दो दिनों से दिया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना रविवार को प्रशासन के आश्वासन के बाद समाप्त कर दिया गया। प्रशासन ने आगामी दो दिनों में समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्य शुरू करवाने का भरोसा दिलाया। वार्ता के दौरान व्यापारियों ने जलभराव से दुकानदारों, वाहन चालकों और आमजन को हो रही परेशानी को प्रशासन के सामने रखा। व्यापारियों ने बताया कि बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है, जिससे व्यापार प्रभावित होने के साथ आवागमन में भी दिक्कत होती है। आश्वासन के बाद बीकानेर रोड यूनियन के अध्यक्ष मांगीलाल पूनिया, सचिव नरेंद्र शर्मा एवं माणकचंद भाटी ने व्यापारियों की सहमति से धरना समाप्त करने की घोषणा की। घोषणा के बाद

व्यापारियों ने तालियां बजाकर खुशी जताई और प्रशासन का आभार व्यक्त किया। व्यापारियों ने मांग की कि तय समय में काम शुरू कर जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। धरना समाप्त होने के बाद व्यापारियों ने प्रशासन से यह भी स्पष्ट किया कि समस्या का समाधान केवल अस्थायी रूप से पानी निकालने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उनका कहना है कि हर बारिश के दौरान सड़क और आसपास के क्षेत्र में पानी जमा होने से दुकानों के सामने कीचड़ की स्थिति बन जाती है और ग्राहकों का बाजार तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। लंबे समय से चली आ रही समस्या के कारण व्यापारियों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। व्यापारियों के अनुसार बीकानेर रोड क्षेत्र में जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी लंबे समय तक जमा रहता है। कई बार पानी दुकानों के सामने तक पहुंच जाता है, जिससे सामान खराब होने की आशंका बनी रहती है। सड़क पर पानी भरने से दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मिलावट पर वार: जयपुर में 300 किलो पनीर नष्ट, फलोदी में 690 किलो वनस्पति फैट जब्त

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। त्योहारी सीजन को देखते हुए प्रदेश में खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान तेज कर दिया गया है। रविवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग की टीमों ने कई जिलों में निरीक्षण और कार्रवाई की। जयपुर के झोटवाड़ा में अनहाइजीनिक तरीके से रखे करीब 300 किलो पनीर को मौके पर नष्ट कराया गया। फलोदी जिले के खींचन गांव में अवैध रूप से संचालित वनस्पति फैट निर्माण इकाई पर छापा मारकर करीब 690 किलो वनस्पति फैट जब्त किया गया और इकाई को सीज कर दिया गया। टीम को मौके पर कच्चा माल, पैकिंग मशीन और तैयार उत्पाद भी मिले। धौलपुर के सरमथुरा में भी खाद्य सुरक्षा टीम ने डेयरी से मिश्रित दूध और मिष्ठान भंडार से घेवर के नमूने लिए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने बताया कि त्योहारी सीजन तक अभियान जारी रहेगा। सब-स्टैंडर्ड, अनसेफ या मिसब्रांडेड खाद्य पदार्थ मिलने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने खाद्य कारोबारियों से स्वच्छता और गुणवत्ता मानकों का पालन करने तथा आमजन से संदिग्ध खाद्य पदार्थों की सूचना देने की अपील की है। अभियान के तहत विभाग की टीमों ने खाद्य प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों के रखरखाव, निर्माण प्रक्रिया और उत्पादों की गुणवत्ता से जुड़े मानकों की भी जांच की। अधिकारियों ने कारोबारियों को निर्देश दिए कि खाद्य सामग्री को खुले में रखने के बजाय निर्धारित तापमान और स्वच्छ वातावरण में रखा जाए।

खाचरियावास की भाजपा को चेतावनी, बोले- कांग्रेस छोड़कर गए नेताओं को टिकट मिला तो बड़ा खुलासा करूंगा

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। निकाय चुनाव को लेकर राजस्थान में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए नेताओं और पार्षदों को यदि निकाय चुनाव में टिकट दिया गया तो वे बड़ा खुलासा करेंगे। खाचरियावास ने कहा कि कांग्रेस छोड़कर गए नेताओं की पार्टी में वापसी का स्वागत है, लेकिन ऐसे लोगों को टिकट नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुश्किल समय में पार्टी छोड़ने वालों को टिकट देना उन कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में संगठन का साथ दिया। उन्होंने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कांग्रेस से भाजपा में गए नेताओं को टिकट मिला तो उनके पास कई मुद्दे हैं, जिन्हें वे समय आने पर सामने रखेंगे। खाचरियावास ने दावा किया कि ऐसे नेताओं को जनता भी पहचानती है और चुनाव में जवाब देगी। पूर्व मंत्री ने इथेनॉल नीति और चीनी की बढ़ती कीमतों को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने महंगाई और कथित भ्रष्टाचार को चुनावी मुद्दा बताया। हालांकि, उनके भ्रष्टाचार संबंधी आरोपों पर संबंधित पक्ष की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाते हुए खाचरियावास ने कहा कि स्कूलों के निरीक्षण और जनहित के मुद्दों पर विपक्ष को रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता सरकार की कार्रवाई से डरने वाले नहीं हैं और जनता से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाते रहेंगे। खाचरियावास के बयान के बाद निकाय चुनाव से पहले प्रदेश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव केवल राजनीतिक दलों के बीच मुकाबला नहीं है, बल्कि स्थानीय स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं की प्रतिष्ठा और जनता के भरोसे का भी सवाल है। उनका कहना है कि लंबे समय से संगठन के लिए काम कर रहे कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर बाहर से आने वाले नेताओं को प्राथमिकता देना पार्टी के भीतर असंतोष को बढ़ा सकता है।

राजस्थान/ प्रादेशिक

बहू-बेटे के सिलेक्शन पर पहली बार खुलकर बोले डोटासरा, बोले- मेहनत और ईमानदारी का कोई विकल्प नहीं

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

अजमेर। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने रविवार को अजमेर के जवाहर रंगमंच में अखिल भारतीय आदर्श जाट महासभा समिति की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में बेटे और बहू के चयन को लेकर लगाए जा रहे सेटिंग के आरोपों पर पहली बार खुलकर जवाब दिया। डोटासरा ने कहा कि 2016 में उनके बेटे का भी अकाउंट्स में चयन हुआ था। उन्होंने कहा कि इंटरव्यू में 80 अंक को लेकर सवाल उठाए जाते हैं, लेकिन उस बैच में 144 अभ्यर्थियों के 80 या उससे अधिक अंक आए थे, जिनमें 26 अभ्यर्थी ऐसे भी थे जो इतने अंक होने के बावजूद चयनित नहीं हुए। डोटासरा ने कहा कि उनकी पुत्रवधू की ऑल राजस्थान में 9वीं रैंक आई थी। उन्होंने कहा कि मेहनत करने वाला व्यक्ति आगे बढ़ता है और मेहनत व ईमानदारी का कोई विकल्प नहीं है। डोटासरा ने आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि पिछले चार साल से वह इसी तरह के आरोपों का जवाब देते-देते थक चुके हैं। उन्होंने कहा कि बेईमानी की है तो जांच कर जेल भेज दिया जाए, लेकिन वह समाज की प्रतिष्ठा पर कोई दाग नहीं लगने देंगे। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि चुनाव से पहले प्रवर्तन निदेशालय (ED) की कार्रवाई फिर हो सकती है। उन्होंने कहा कि मेहनत करने और ईमानदारी से आगे बढ़ने वाले व्यक्ति को किसी के सामने झुकने की जरूरत नहीं है। उन्होंने युवाओं से पढ़ाई, मेहनत और सही दिशा में आगे बढ़ने की अपील की। डोटासरा ने 2021 की SI भर्ती का जिक्र करते हुए कहा कि जिस भर्ती को लेकर सवाल उठे और जिसे बाद में निरस्त किया गया, उसी प्रक्रिया से जुड़े एक अभ्यर्थी ने आगे चलकर RAS में शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने कहा कि सरकार के पास संसाधन हैं तो बेईमान लोगों को बाहर कर सही अभ्यर्थियों को न्याय मिलना चाहिए और अदालत के फैसले को सभी को स्वीकार करना चाहिए। अधिकारियों को नसीहत देते हुए डोटासरा ने कहा कि न्याय की कुर्सी पर बैठकर किसी व्यक्ति की जाति नहीं, बल्कि सही और गलत को देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि अपनी जाति का व्यक्ति गलत है और दूसरी जाति का व्यक्ति सही है तो अधिकारी को सही व्यक्ति के पक्ष में खड़ा होना चाहिए। डोटासरा ने राजस्व अदालतों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए।

राजस्थान पुलिस की 25 महिला कार्मिक लेंगी एनएसजी का 12 सप्ताह का कमाण्डो प्रशिक्षण

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान पुलिस के आरएसी एवं एमबीसी कैडर से चयनित 25 महिला पुलिस कार्मिक राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के प्रशिक्षण केन्द्र, मानेसर में 12 सप्ताह का गहन कमाण्डो प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी। यह प्रशिक्षण 24 अगस्त 2026 से 13 नवम्बर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए रवाना होने से पूर्व रविवार को पांचवीं बटालियन आरएसी, घाटगेट जयपुर के प्रांगण में इन महिला कार्मिकों को अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (आर्म्स बटालियन्स राजस्थान) रूपेन्द्र सिंघ ने ब्रीफ किया। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड से प्राप्त होने वाले कमाण्डो प्रशिक्षण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए जवानों को प्रशिक्षण के दौरान कड़े अनुशासन, अत्याधुनिक हथियार तकनीक और जीरो एरर की नीति को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। एडीजी रूपेन्द्र सिंघ ने कहा कि कमाण्डो प्रशिक्षण का उद्देश्य जवानों को ऐसी दक्षता प्रदान करना है, जिससे वे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी क्षमता और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सकें।

कुली गांव में भीषण सड़क हादसा, पुलिस कांस्टेबल की मौत

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

दांतारामगढ़। कुली गांव में रविवार को बालाजी मंदिर के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में खाचरियावास पुलिस चौकी में तैनात कांस्टेबल सुरेश कुमार की मौत हो गई। हादसे में दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार खाचरियावास पुलिस चौकी में तैनात कांस्टेबल सुरेश कुमार पुत्र दीप सिंह निवासी रंजीतपुरा, रेनवाल, ड्यूटी पूरी कर मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पुलिस चौकी से करीब एक किलोमीटर दूर कुली बालाजी मंदिर से पहले सामने से आ रही मोटरसाइकिल से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई।

गोविंद देवजी मंदिर में पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दी आहुतियां

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में रविवार को मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सानिध्य में पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन हुआ। पांच पारियों में हुए यज्ञ में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने यज्ञ भगवान को आहुतियां अर्पित कर लोककल्याण और सुख-समृद्धि की कामना की। गायत्री परिवार राजस्थान की सह समन्वयिका गायत्री कचोलिया के नेतृत्व में अनीता महामना, सुनीता महामना और शीला महामना ने यज्ञ का प्रभावी संचालन किया। तीनों सगी बहनों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ विधान संपन्न कराया। अनीता महामना ने तबला वादन भी किया। यज्ञ के दौरान कई श्रद्धालुओं ने भारतीय संस्कृति के अनुरूप यज्ञ के साथ जन्मदिन संस्कार भी कराया। यज्ञ की पूर्णाहुति के बाद गायत्री शक्ति पीठ ब्रह्मपुरी के दिनेश आचार्य ने करीब आधे घंटे तक प्रज्ञा गीतों की सरस प्रस्तुति दी। गीतों के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिकता, संस्कार और सेवा का संदेश दिया गया। गायत्री चेतना केंद्र जनता कॉलोनी की ओर से विनोद श्रीवास्तव और उनके पुत्र महर्षि श्रीवास्तव ने साहित्य स्टॉल लगाई।

मानवीय मूल्यों का अनुरक्षण और चरित्र निर्माण स्काउट की पहचान: सेवदा

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

जोधपुर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला जोधपुर का वार्षिक सम्मेलन भोपालगढ़ ब्लॉक के राज वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के विशाल परिसर में आयोजित किया गया।

सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि भामाशाह और समाजसेवी हनुमान राम सेवदा ने विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में स्काउट गाइड के सिद्धांतों और शिक्षा की भूमिका को बहुत महत्वपूर्ण बताया, जो मानवीय मूल्यों को विस्तारित करने का काम भी करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए युवा व्यवसायी वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर हेरिटेज साफा के चनण सिंह इंदा ने स्काउट गाइड संगठन की संरचना को प्रत्येक विद्यालय और विद्यार्थी तक पहुंचाने की अपेक्षा की। स्थानीय संघ सचिव मनोहर राम सारण के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में जीवन राम सोलंकी, भारमल व महेंद्र सिरोही, सुरेंद्र गोयल, बलदेव चौधरी सहित स्थानीय भामाशाह व कार्यकर्ताओं, स्काउटर-गाइडर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जयपुर से लौटे मेवाराम जैन का बयान, बोले- बाड़मेर कांग्रेस में कोई गुटबाजी नहीं, एकजुट होकर जीतेंगे निकाय चुनाव

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बाड़मेर। जयपुर से बाड़मेर लौटे पूर्व विधायक मेवाराम जैन ने रविवार शाम अपने कार्यालय में प्रेसवार्ता कर बाड़मेर कांग्रेस में गुटबाजी की चर्चाओं को खारिज किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है और आगामी नगर निकाय एवं पंचायती राज चुनाव सभी नेता और कार्यकर्ता मिलकर मजबूती से लड़ेंगे। जैन ने दावा किया कि कांग्रेस बाड़मेर नगर परिषद में पूर्ण बहुमत के साथ दोबारा अपना बोर्ड बनाएगी। मेवाराम जैन ने कहा कि कांग्रेस में गुटबाजी को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं, लेकिन पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है। चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और कांग्रेस कार्यकर्ता प्रत्येक वार्ड में पहुंचकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में पार्टी पूरी एकजुटता के साथ मैदान में उतरेगी। भाजपा पर निशाना साधते हुए जैन ने कहा कि पिछले ढाई से तीन वर्षों में बाड़मेर शहर के हालात सभी के सामने हैं। शहर में सड़कें टूटी हुई हैं और जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। सीवरेज, नालियों, पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर भी लोगों को परेशानी हो रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस अवधि में शहर का विकास पूरी तरह रुक गया है। भाजपा नेताओं द्वारा लगाए गए पुराने आरोपों पर पलटवार करते हुए जैन ने कहा कि उन पर भू-माफिया से मिलीभगत, जमीनों पर कब्जे और पहाड़ काटने जैसे कई आरोप लगाए गए थे। उन्होंने सवाल उठाया कि पिछले ढाई-तीन वर्षों में सरकार ने इन मामलों में क्या कार्रवाई की।

अमूल के विरोध में अजमेर में 'सरस सहकार महाकुंभ', डोटासरा बोले- दूध बोनस के 400 करोड़ रुपए बकाया

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

अजमेर। अमूल डेयरी के विस्तार के विरोध और राजस्थान के स्थानीय सहकारी नेटवर्क 'सरस' को बचाने की मांग को लेकर रविवार को अजमेर में 'सरस सहकार महाकुंभ' आयोजित किया गया। तबीजी फार्म के पास कच्छावा गार्डन में हुए महाकुंभ में प्रदेश के 15 जिलों से बड़ी संख्या में किसान और पशुपालक पहुंचे। मंच से 'अमूल भगाओ-सरस बचाओ' का संकल्प लिया गया। महाकुंभ में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार पर किसानों और पशुपालकों की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि राजस्थान में किसानों के दूध और बोनस का करीब 400 करोड़ रुपए बकाया है। डोटासरा ने कहा कि पशुपालक दूध और अन्य कृषि उत्पाद बेचकर बच्चों की पढ़ाई और परिवार के इलाज का खर्च जुटाते हैं, लेकिन बोनस नहीं मिलने से वे आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। डोटासरा ने कहा कि सरस और सहकारिता को बचाने की लड़ाई केवल पशुपालकों की नहीं है, बल्कि कांग्रेस भी उनके साथ खड़ी है। उन्होंने सरकार पर पंचायती राज, सहकारिता, छात्रसंघ और नगर निकाय चुनावों में देरी को लेकर भी निशाना साधा। अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने अमूल के विस्तार का विरोध करते हुए कहा कि राजस्थान के पशुपालक सरस की कीमत पर अमूल का विस्तार स्वीकार नहीं करेंगे।

उन्होंने मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के मॉडल पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि इससे राज्यों के स्वतंत्र सहकारी ढांचे को कमजोर किया जा सकता है। चौधरी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने अपना निर्णय वापस नहीं लिया तो सहकारिता से जुड़े लोग सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे और आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरस केवल डेयरी ब्रांड नहीं, बल्कि राजस्थान के लाखों पशुपालकों की आजीविका और सहकारी व्यवस्था से जुड़ा नेटवर्क है। महाकुंभ में पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सारिका सिंह, विधायक विकास चौधरी, कई पूर्व विधायक, 15 जिला दुग्ध संघों के प्रतिनिधि और सहकारिता से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे।

बीजवाड़ और गुर्जरों की ढाणी में 38 लाख रुपए के विकास कार्यों का शुभारंभ

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

मुंडावर। मुंडावर विधायक ललित यादव ने विधानसभा क्षेत्र के गांव बीजवाड़ और गुर्जरों की ढाणी में रविवार को करीब 38 लाख रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत शुभारंभ किया । इस दौरान विधायक ने ग्रामीणों की मौजूदगी में विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और विकास को प्राथमिकता देने की बात कही गई। विकास कार्य पूर्ण होने के बाद ग्रामीणों को बेहतर सड़क एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का लाभ मिलेगा। ग्रामीणों ने विकास कार्यों की स्वीकृति और शुभारंभ पर आभार जताते हुए क्षेत्र में आगे भी विकास कार्य करवाने की मांग रखी। इस मौके पर जिला पार्षद भीमराज यादव,सरपंच श्रीचंद सैनी, अमरसिंह सैनी, गोपीचंद एवं समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे।

नाम किसी और का,सफर आपका... रेलवे जांच में पकड़े गए तो होगी जेब ढीली

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

जोधपुर। टिकट जेब में है,सीट भी कन्फर्म है... लेकिन नाम किसी और का है तो ट्रेन में सफर करना भारी पड़ सकता है। रेलवे जांच में ऐसे यात्री पकड़े गए तो टिकट जब्त होने के साथ किराया और जुर्माना भी देना पड़ेगा। इतना ही नहीं,भुगतान नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई का सामना भी करना पड़ सकता है। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव ने बताया कि किसी अन्य व्यक्ति के नाम से जारी आरक्षित टिकट पर यात्रा मान्य नहीं है। ऐसे मामले में रेल अधिनियम-1989 की धारा 142 के तहत कार्रवाई की जा सकती है। टिकट जांच के दौरान यात्री पकड़ा जाता है तो टिकट जब्त किया जा सकता है। इसके बाद ट्रेन के प्रस्थान स्टेशन से यात्रा की पूरी दूरी का किराया वसूला जाएगा। इसके अतिरिक्त न्यूनतम 500 रुपए का जुर्माना भी देना होगा। उन्होंने बताया कि यदि यात्री किराया और अतिरिक्त शुल्क जमा नहीं करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। बकाया राशि की वसूली न्यायालय के माध्यम से भी की जा सकती है। भुगतान में चूक होने की स्थिति में छह महीने तक की कैद, दो हजार रुपए तक का शुल्क या दोनों का प्रावधान हो सकता है। रेलवे के अनुसार आरक्षित टिकट पर दर्ज यात्री का नाम महत्वपूर्ण होता है। केवल टिकट अपने पास होने से किसी दूसरे व्यक्ति को उस पर यात्रा का अधिकार नहीं मिल जाता। इसलिए यात्रा से पहले टिकट पर दर्ज नाम और अन्य विवरण की जांच कर लेना चाहिए। यात्रा के दौरान टीटीई द्वारा टिकट जांच के समय यात्री का पहचान पत्र देखकर नाम का मिलान किया जाता है। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपने नाम से जारी वैध टिकट पर ही यात्रा करें। किसी दूसरे के नाम के टिकट पर सफर करने से बचें, ताकि टिकट जांच के दौरान अतिरिक्त किराया, जुर्माना या कानूनी कार्रवाई का सामना न करना पड़े। जांच में अनियमितता सामने आने पर रेलवे कर्मचारी नियमानुसार कार्रवाई कर सकते हैं।

सेवानिवृत्त राजस्थान पुलिस अधिकारी एवं समाजसेवी प्रभु दयाल फल्डोलिया की अनूठी पहल, खोरा गांव के जोहड़े में लगाए 51 बरगद के पौधे

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सीकर। खाटूश्यामजी क्षेत्र के खोरा गांव में पर्यावरण संरक्षण एवं गांव में हरियाली बढ़ाने की दिशा में सेवानिवृत्त राजस्थान पुलिस अधिकारी एवं समाजसेवी प्रभु दयाल फल्डोलिया ने अनुकरणीय पहल की। उन्होंने ग्राम खोरा के जोहड़े (तलाई) में 51 बरगद (बड़) के पौधे लगाए। इस दौरान ग्रामवासियों, युवाओं एवं बुजुर्गों ने भी उत्साहपूर्वक पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। पौधारोपण कार्यक्रम में पूर्व सरपंच पोखर बाजड़ोलिया, सुभाष फल्डोलिया, पूर्व पंचायत समिति सदस्य सांवरमल खोरा, जूताराम मास्टर, हीराराम फल्डोलिया, मोहन सिंह राजपूत, मंगलाराम, मागूराम, किशनलाल, शेरसिंह, मूलचंद मास्टर, विजयपाल, रतन रेबारी, मुकेश शर्मा एवं अशोक कुमार रैगर सहित ग्राम खोरा के अनेक बुजुर्ग, युवा एवं ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने मिलकर बरगद के पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एवं समाजसेवी प्रभु दयाल फल्डोलिया की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि बरगद जैसे विशाल एवं दीर्घजीवी वृक्षों का पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इन पौधों के वृक्ष बनने के बाद गांव की हरियाली बढ़ेगी और वातावरण को स्वच्छ एवं शुद्ध बनाए रखने में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। ग्रामीणों ने कहा कि बरगद के पेड़ पर्यावरण के लिए उपयोगी होने के साथ-साथ पक्षियों एवं अन्य जीव-जंतुओं के लिए भी आश्रय स्थल उपलब्ध कराते हैं। ऐसे में गांव के सार्वजनिक स्थल पर 51 बरगद के पौधे लगाना आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उपयोगी एवं प्रेरणादायक पहल है। इस अवसर पर समाजसेवी प्रभु दयाल फल्डोलिया ने कहा कि पौधारोपण करने के साथ-साथ पौधों की नियमित देखरेख करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने घोषणा की कि ग्राम खोरा के जोहड़े में लगाए गए सभी 51 बरगद के पौधों की देखरेख, पानी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उनके द्वारा निजी खर्च से की जाएंगी, ताकि पौधे सुरक्षित रूप से विकसित होकर बड़े वृक्ष बन सकें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या किसी संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए। यदि अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएं और उनकी नियमित देखभाल की जाए तो गांव के वातावरण को हरा-भरा एवं स्वच्छ बनाया जा सकता है।

जयपुर और यामानाशी ज्वैलरी एसोसिएशन्स मिलकर बढ़ाएं व्यापार, रोजगार के अधिकाधिक अवसर करें सृजित

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान और जापान के बीच वर्षों पुराना नाता है। ऐसे में, राज्य सरकार राजस्थान और जापान के बीच रत्न-आभूषण सहित अन्य उद्योगों के विकास के लिए रोडमैप बनाकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में जापानी जोन बनाकर विशेष सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिससे जापानी कम्पनियों को अनुकूल आधारभूत सुविधाएं सुलभ हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने रविवार को जापान के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर उद्योगों एवं निवेश को लेकर चर्चा की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि जयपुर ज्वैलरी एसोसिएशन और यामानाशी ज्वैलरी एसोसिएशन मिलकर तकनीक और निवेश के साथ रत्न-आभूषण व्यापार को और आगे लेकर जाएं, जिससे व्यापार बढ़ने के साथ ही रोजगार के भी ज्यादा से ज्यादा अवसर सृजित हों। उन्होंने 2024 में अपने जापान दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि जापानी कम्पनियों ने राजस्थान में निवेश पर तीन से चार गुना फायदे पर आभार भी जताया था।

मनोरंजन समाचार

मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 की विजेता बनीं केरल की सुंदरी कैजिया, मनिका विश्वकर्मा ने पहनाया ताज

मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले रविवार, 23 अगस्त 2026 को पिंक सिटी जयपुर में आयोजित किया गया। इस सौंदर्य प्रतियोगिता में 52 सुंदरियां शामिल हुईं। प्रतियोगियों को परखने के लिए एक खास कमेटी बनाई गई थी, जिसमें मनोरंजन जगत के जाने-माने चेहरे भी शामिल हुए। बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन, उर्वशी रौतेला और सेलिना जेटली इस प्रतियोगिता में बतौर जज शामिल हुईं। टॉप-5 फाइनलिस्ट में तमिलनाडु की वैष्णवी, गुजरात की अनुश्री सतवालेकर, महाराष्ट्र की तेजस्विनी श्रीवास्तव, केरल की कैजिया लिज मैजो और उत्तराखंड की अनुभा वशिष्ठ शामिल रहीं। रात 2.50 पर विनर के नाम का ऐलान किया गया और केरल की कैजिया लिज मैजो ने मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। सौंदर्य प्रतियोगिता के आखिरी राउंड में कंटेस्टेंट्स को जजेस के सामने 40 सेकेंड का क्लोजिंग रिमार्क पेश पेश करना था, जिसमें पांचों फाइनलिस्ट ने जिंदगी को लेकर अपना नजरिया, चुनौतियों और भविष्य को लेकर अपने विचारों को पेश किया। अपने क्लोजिंग रिमार्क से कैजिया लिज मैजो, कमेटी को इंप्रेस करने में सफल रहीं और इस साल का खिताब अपने नाम कर लिया। मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 की विजेता मनिका विश्वकर्मा ने केरल की कैजिया के सिर पर ताज पहनाया और इस पल में कैजिया काफी इमोशनल हो गईं। केरल की कैजिया को तमिलनाडु की वैष्णवी ने टक्कर दी, जो उनके साथ टॉप 2 में रहीं और फिर फर्स्ट रनरअप रहीं। वहीं गुजरात की अनुश्री सतवालेकर सेकेंड रनरअप रहीं, महाराष्ट्र की तेजस्विनी श्रीवास्तव थर्ड रनरअप चुनी गईं और उत्तराखंड की अनुभा वशिष्ठ 4th रनरअप रहीं। बता दें, इस साल की विजेता यानी केरल की कैजिया लिज मैजो अब इस साल के अंत में प्यूर्टो रिको में आयोजित होने जा रहे 75वें मिस यूनिवर्स कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेंगी और प्रतियोगिता में भारत का नेतृत्व करेंगी। मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 के जज पैनल में अभिनेत्री सुष्मिता सेन शामिल थीं और उनके साथ सेलिना जेटली और उर्वशी रौतेला भी जज पैनल में शामिल रहीं। बता दें, सुष्मिता ने 1994 में मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम किया था। वहीं सेलिना जेटली ने 2001 में मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब जीता था और इसी साल आयोजित हुए मिस यूनिवर्स कॉम्पटीशन में 4th रनरअप रहीं। उर्वशी रौतेला की बात करें तो मिस यूनिवर्स इंडिया 2015 का ताज उनके सिर पर सजा था। फिल्म प्रोड्यूसर प्रज्ञा कपूर भी बतौर जज इस पैनल में शामिल रहीं।

ग्रैंड फिनाले के दौरान प्रतियोगिता का माहौल लगातार रोमांचक बना रहा। अलग-अलग राज्यों से पहुंची प्रतिभागियों ने मंच पर आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अंतिम चरण में पहुंचने वाली पांचों प्रतिभागियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और निर्णायक मंडल के लिए विजेता का चयन करना आसान नहीं रहा।

KBC कंटेस्टेंट्स की जिंदगी बदलते देख अमिताभ बच्चन ने जताई खुशी, बोले -'जिंदगी कुछ मिनटों में बदल जाती है'

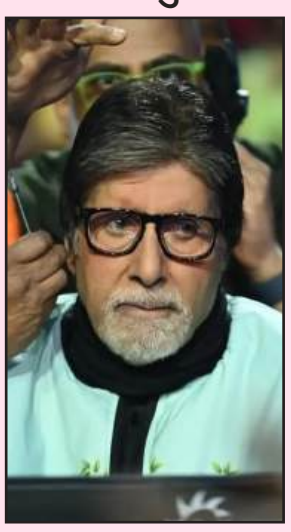

सुपरहिट टीवी गेम शो कौन बनेगा करोड़पति का 18वां सीजन जोर-शोर से चल रहा है। इस बीच बॉलीवुड के दिग्गज अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग पर शो को होस्ट करने और लोगों को जीती हुई रकम से अपनी जिंदगी को नए सिरे से बनाते हुए देखने के अपने अनुभव को शेयर किया है। KBC के जरिए आम लोगों को अपने सपने पूरे करते देखना अमिताभ बच्चन के लिए भावुक कर देने वाला अनुभव है। उन्होंने कहा कि इस शो को खास बनाने वाले असल में इसके दर्शक और कंटेस्टेंट हैं। उन्होंने इस बारे में भी बात की कि कैसे KBC ने कुछ ही मिनटों में लोगों की जिंदगी बदल दी है।

अमिताभ बच्चन ने लिखा, 'कंटेस्टेंट ही शो को बनाते हैं। सेट पर घंटों तक बैठे रहने वाले दर्शक, वे ही हैं... उनकी काबिलियत, उनकी कहानियां जो कम साधनों के बावजूद बड़े सपने पूरे करने की हिम्मत देती हैं... ये सब दिल को छू लेने वाला और इमोशनल होता है, लेकिन आखिर में जब कामयाबी मिलती है तो उनकी खुशी और खुशी के आंसू ही सब कुछ होते हैं। यही KBC है, कुछ ही घंटों में जिंदगी बदल जाती है कभी-कभी तो मिनटों में ही।'

उन्होंने आगे कहा, 'उम्मीद है कि सभी अपने ज्ञान और समझ के दम पर आगे बढ़ेंगे। सभी का सफर सुखद हो।' हाल ही में मुंबई की एक कंटेस्टेंट रुचिता अधलराव चर्चा में आईं, जब उन्होंने KBC 18 से 50 लाख रुपये जीते और अपना व अपने परिवार का पक्का घर होने का सपना पूरा किया।

धर्म परिवर्तन के दावे पर असीम रियाज का करारा जवाब, हिमांशी खुराना को लगाई लताड़

असीम रियाज ने अपनी एक्स-गर्लफ्रेंड हिमांशी खुराना के उस हालिया कमेंट पर रिएक्ट दिया है, जिसमें उन्होंने उनके पुराने रिश्ते के बारे में बात की थी। असीम ने इस बात का खंडन किया कि उन्होंने कभी हिमांशी से धर्म बदलने या अपना धर्म बदलने के लिए कहा था। हिमांशी ने पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट पर अपने रिश्ते और धार्मिक मान्यताओं में अंतर के बारे में बात की थी, जिसके कुछ दिनों बाद असीम का यह जवाब आया। असीम ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर करके इस मामले पर बात की। हिमांशी का नाम लिए बिना उन्होंने दावा किया कि उनके बारे में नेगेटिविटी फैलाने के लिए धर्म का इस्तेमाल किया जा रहा है और उनसे गुजारिश की कि वे किसी निजी मामले को सार्वजनिक विवाद का कारण न बनाएं। असीम रियाज ने लिखा, 'मैंने कभी किसी से अपना धर्म बदलने के लिए नहीं कहा। एक बार भी नहीं। असल में मैंने ही तुम्हें फिटनेस की ओर प्रेरित किया था। तुम मुझसे मिलने के बाद ही इस शेप में आई हो। उससे पहले सब जानते थे कि तुम कैसी दिखती थीं। इसलिए प्लीज, धर्म का इस्तेमाल हथियार के तौर पर न करो। यह बहुत संवेदनशील विषय है और इतनी निजी चीज़ को लोगों के मन में मेरे लिए नफरत का कारण बनाना बचकाना है और यह दिखाता है कि अटेंशन पाने के लिए तुम किस हद तक गिर सकती हो।' इसी पोस्ट में आसिम ने आगे कहा, 'और जहां तक मेरे करियर की बात है, इसे बनाने के लिए या इसमें बिना किसी योगदान के इसका श्रेय लेने के लिए मुझे कभी किसी की जरूरत नहीं पड़ी। किसके पास ज्यादा पैसा है और किसके पास कम? खैर, अगर तुम सच में जानना चाहती हो तो बैंक स्टेटमेंट से इसका पता चल सकता है, लेकिन पैसा कभी भी चरित्र का पैमाना नहीं रहा है। पारस छाबड़ा से हिमांशी ने कहा कि वह इस स्थिति को धर्म परिवर्तन नहीं कहेंगी।

'बेटे के लिए घर-घर काम मांगने गया', सुरेश ओबेरॉय ने बताया कैसे हुआ विवेक ओबेरॉय का डेब्यू

विवेक ओबेरॉय इन दिनों नितेश तिवारी की मेगा बजट फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह विद्युतजिह्वा का किरदार निभा रहे हैं।

हाल ही में ऐसी भी खबरें आईं कि विवेक ओबेरॉय 'रामायण' के लिए मिली अपनी पूरी फीस कैंसर पीड़ित बच्चों को दान करेंगे। हालांकि, ये पहली बार नहीं है जब वह इस तरह की खबरों को लेकर चर्चा में हैं, पहले भी कई बार विवेक अपनी दरियादिली को लेकर सुर्खियां बटोर चुके हैं। विवेक ओबेरॉय को फिल्मी दुनिया में 2 दशक से ज्यादा का समय हो गया है। उन्होंने 2002 में राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'कंपनी' से बॉलीवुड डेब्यू किया था।

तुम पर बहुत गर्व है, रुक्मिणीः रॉकिंग स्टार यश ने अपनी टॉक्सिक को-स्टार रुक्मिणी वसंत पर जमकर लुटाई तारीफ

हैदराबाद में हुए टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के प्री-रिलीज़ इवेंट में रुक्मिणी वसंत के लिए एक बेहद स्पेशल और प्राउड मोमेंट देखने को मिला, जब उनके को-स्टार रॉकिंग स्टार यश ने उनकी जमकर तारीफ की और उनके शानदार जर्नी को सेलिब्रेट किया। रुक्मिणी के बारे में बात करते हुए यश ने कहा, आई एम सो हैप्पी। आई एम सो प्राउड दैट शी हैज़ बीन पार्ट ऑफ सच बिग फिल्म्स। शी इज़ पार्ट ऑफ वंडरफुल प्रोजेक्ट्स। आई एम प्राउड दैट शी इज़ अ कन्नड़ गर्ल एंड अ कन्नड़ गर्ल इज़ मेकिंग अ मार्क इन एवरी इंडस्ट्री। वेरी प्राउड ऑफ यू, रुक्मिणी। यू आर अ फैब्युलस एक्टर, अ वेरी नॉलेजबल वन, विच आई रियलाइज़ आफ्टर वर्किंग विद यू। टॉक्सिक में मेलिसा का किरदार निभा रहीं रुक्मिणी फिल्म की दुनिया में अपनी फियर्स और कंपेलिंग प्रेज़ेंस लेकर आने के लिए तैयार हैं। इवेंट में रॉकिंग स्टार यश के दिल से निकले ये शब्द रुक्मिणी के लिए एक बेहद प्राउड मोमेंट रहे और यह उनकी मेहनत, शानदार वर्क और अलग-अलग इंडस्ट्रीज में लगातार बढ़ती उनकी जर्नी को मिल रही अप्रिशिएशन की खूबसूरत झलक भी है। हैदराबाद के टॉक्सिक प्री-रिलीज़ इवेंट में जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिला, जहां 45,000+ फैंस फिल्म और उसके स्टार्स को सेलिब्रेट करने के लिए एक साथ जुटे। गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनी टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में रॉकिंग स्टार यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगी। फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाज़ में रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है। हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में रुक्मिणी वसंत को लेकर यश की प्रतिक्रिया ने वहां मौजूद प्रशंसकों का भी ध्यान खींचा। यश ने उनके अभिनय और अब तक के सफर की सराहना करते हुए कहा कि एक कन्नड़ अभिनेत्री के रूप में रुक्मिणी जिस तरह अलग-अलग फिल्म उद्योगों में अपनी पहचान बना रही हैं, वह गर्व की बात है। उनके शब्दों के बाद कार्यक्रम में मौजूद दर्शकों ने जोरदार तालियों और उत्साह के साथ प्रतिक्रिया दी। रुक्मिणी वसंत ने यश की तारीफ पर आभार जताते हुए कहा कि उनके जैसे अनुभवी कलाकार से इस तरह की प्रशंसा मिलना उनके लिए विशेष अनुभव है। दोनों कलाकार पहली बार इस बड़े स्तर की परियोजना में साथ नजर आ रहे हैं और फिल्म में उनके किरदारों को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म में रुक्मिणी मेलिसा की भूमिका निभा रही हैं। उनके किरदार को लेकर निर्माताओं ने अब तक सीमित जानकारी साझा की है, लेकिन प्रचार सामग्री में उनका व्यक्तित्व प्रभावशाली और मजबूत दिखाई दे रहा है। फिल्म के कथानक में उनका किरदार किस तरह कहानी को आगे बढ़ाता है, इसे लेकर दर्शकों के बीच खास दिलचस्पी बनी हुई है। हैदराबाद का आयोजन फिल्म के प्रचार अभियान के सबसे बड़े कार्यक्रमों में शामिल रहा। बड़ी संख्या में प्रशंसकों के पहुंचने से कार्यक्रम स्थल पर उत्सव जैसा माहौल नजर आया। यश के प्रशंसकों ने उनके नाम के नारे लगाए और फिल्म के कलाकारों की एक झलक पाने के लिए लंबे समय तक इंतजार किया। इतनी बड़ी संख्या में दर्शकों की मौजूदगी ने फिल्म को लेकर बने उत्साह को भी सामने रखा। निर्देशक गीतू मोहनदास की यह फिल्म अपने अलग तरह के संसार और कथानक के कारण चर्चा में है। फिल्म के नाम और प्रस्तुतिकरण से संकेत मिलता है कि इसमें सामान्य कहानी से अलग एक ऐसा संसार देखने को मिलेगा, जिसमें वयस्क दर्शकों के लिए कल्पना और गंभीर विषयों का मिश्रण किया गया है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगी। अलग-अलग फिल्म उद्योगों से जुड़े इन कलाकारों के एक साथ आने से फिल्म का दायरा भी काफी व्यापक हो गया है। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने फिल्म से जुड़े अनुभव साझा किए और प्रशंसकों का उत्साह बढ़ाया। यश की रुक्मिणी के लिए कही गई बातें कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में रहीं। अब उनकी नजर टॉक्सिक के जरिए बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचने पर है।

तलाक की अर्जी वापस लेने के बाद जयपुर पहुंचीं सुनीता आहूजा,कल खाटूश्यामजी जाएंगी

एक्टर गोविंद की पत्नी सुनीता आहूजा तलाक की अर्जी वापस लेने के बाद रविवार दोपहर को जयपुर पहुंचीं हैं। वह सोमवार को खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन कर बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाएंगी। सुनीता का खाटूश्यामजी से पहले भी जुड़ाव रहा है। बताया जा रहा है कि गोविंदा के पैर में गोली लगने वाली घटना के दिन भी वह खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन के लिए आई थीं। हाल ही में गोविंदा से तलाक की अर्जी वापस लेने को लेकर सुर्खियों में आईं सुनीता आहूजा अब धार्मिक यात्रा पर हैं। वे इंदौर से जयपुर पहुंचीं हैं। जयपुर एयरपोर्ट पर सुनीता आहूजा का अंदाज भी कुछ अलग नजर आया। राजस्थान में उनके कामकाज और व्यवस्थाओं को देखने वाले मैनेजर सौरभ प्रजापत ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट से बाहर निकलने के बाद सुनीता सीधे अपने होटल के लिए रवाना हो गईं। जयपुर पहुंचने के बाद सुनीता आहूजा ने फिलहाल अपनी यात्रा को लेकर ज्यादा जानकारी साझा नहीं की। एयरपोर्ट से बाहर निकलते समय उनके साथ मौजूद लोगों ने व्यवस्थाओं को संभाला और उन्हें सीधे होटल ले जाया गया। सोमवार को खाटूश्यामजी रवाना होने से पहले उनकी यात्रा से जुड़ी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुनीता आहूजा का खाटूश्यामजी से जुड़ाव नया नहीं है।

गोविंदा ने अपनाया कड़ा रुख, दी 100 करोड़ के मानहानि केस की चेतावनी, भ्रामक और AI कंटेंट नहीं करेंगे बर्दाश्त

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा इन दिनों लगातार सुर्खियों में हैं। पत्नी सुनीता आहूजा, गोविंदा पर कई गंभीर आरोप लगा चुकी हैं। इस बीच गोविंदा ने कड़ा रुख अपनाते हुए फेक और एआई कंटेंट को लेकर सख्त कदम उठाया है। अभिनेता ने अपने, अपने परिवार और पर्सनल लाइफ को लेकर गलत, भ्रामक और एआई जनरेटेड कंटेंट फैलाने वालों को चेतावनी देते हुए लीगल नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में साफ किया गया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अगर उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर भ्रामक अफवाहों और एआई कंटेंट फैलाया गया तो उनके खिलाफ मानहानि के तहत कदम उठाया जाएगा। ANI के अनुसार, गोविंदा द्वारा जारी इस नोटिस में डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, मीडिया संस्थान और कंटेंट क्रिएटर्स को चेतावनी दी गई है कि वे कोई भी ऐसा कंटेंट अपलोड, ब्रॉडकास्ट, पब्लिश या शेयर न करें जिससे गोविंदा या उनके परिवार की छवि को खराब करता है या इसे गलत तरीके से पेश करता है। इसमें कहा गया है कि जो भी लोग इसमें जिम्मेदार पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सिविल और क्रिमिनल कार्रवाई की जा सकती है और अभिनेता की ओर से उनकी और उनके परिवार की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए 100 करोड़ रुपये तक का हर्जाना मांगा जा सकता है। गोविंदा की लीगल टीम ने खास तौर पर मॉर्फ्ड इमेज, डीपफेक और AI से बने सिंथेटिक कंटेंट के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है। नोटिस में कहा गया है कि अगर एआई या किसी तरह की दूसरी डिजिटल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके एक्टर की आवाज, फ़ोटो, या उनकी पर्सनल और पारिवारिक लाइफ से जुड़ी चीजों को गलत तरीके से या उनमें बदलाव करके पेश किया गया तो उनके खिलाफ

लीगल एक्शन लिया जाएगा। ऐसा कोई भी कंटेंट पाए जाने पर उसके खिलाफ मानहानि, निजता के उल्लंघन, पहचान का गलत इस्तेमाल और साइबर क्राइम से जुड़े कानूनों के तहत कानूनी कार्रवाई होगी। दरअसल, वीडियो में राखी सावंत, पैपराजी के सामने सुनीता आहूजा को कॉल करती हैं, जहां सुनीता ये कहती हैं कि गोविंदा दूसरी शादी की प्लानिंग कर रहे थे और इसीलिए उन्होंने अपनी तलाक की अर्जी वापस ले ली।

सार समाचार

लातविया में शक्तिशाली तूफान ने मचाई तबाही, देशभर में ऑरेंज अलर्ट

रीगा। लातविया में एक शक्तिशाली तूफान ने भारी तबाही मचाई है। तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण बड़ी संख्या में पेड़ उखड़ गए और बिजली वितरण नेटवर्क को गंभीर नुकसान पहुंचा। इसके चलते 1.60 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति बंद हो गई। यह शक्तिशाली चक्रवात दक्षिण दिशा से लातविया में दाखिल हुआ और शनिवार शाम को भारी बारिश तथा तेज हवाएं लेकर आया। लातवियाई समाचार एजेंसी 'लेटा' ने इसे जनवरी 2005 के बाद देश में आया सबसे विनाशकारी तूफान बताया है। मध्य लातविया के कुछ इलाकों में सिर्फ एक दिन में ही महीनेभर की औसत बारिश का लगभग आधा हिस्सा रिकॉर्ड किया गया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, लातविया के पर्यावरण, भूविज्ञान और मौसम विज्ञान केंद्र (एलईजीएमसी) ने शनिवार को मध्य और पश्चिमी लातविया में भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी रखा। वहीं, तेज हवा के झोंकों को देखते हुए लगभग पूरे देश के लिए ऑरेंज अलर्ट लागू किया गया। लातविया की रेलवे कंपनी ने बताया कि खराब मौसम के कारण शनिवार शाम कई ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं और उनमें देरी हुई। बिजली वितरण प्रणाली ऑपरेटर 'साडालेस टिक्ल्स' के अनुसार, रात 9 बजे तक लगभग 1.60 लाख ग्राहक बिजली के बिना थे। ज्यादातर नुकसान पेड़ों के गिरने से हुआ है। आपातकालीन टीमें बिजली बहाल करने के लिए लगातार काम कर रही हैं। कुछ क्षेत्रों में लोगों को 24 घंटे से भी अधिक समय तक बिजली के बिना रहना पड़ सकता है।

ओमान में दर्दनाक हादसा! भारतीयों को ले जा रही गाड़ी पलटी, एक की मौत; 9 घायल

इस वक्त की बड़ी खबर खाड़ी देश ओमान से सामने आ रही है, जहां सुल्तान सईद बिन तैमूर स्ट्रीट पर भारतीयों को लेकर जा रही एक गाड़ी अनियंत्रित हो गई और उसका एक्सीडेंट हो गया। इस हादसे में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है, जबकि 9 भारतीय घायल बताए जा रहे हैं। स्थानीय पुलिस ने बताया कि गाड़ी में कुछ खराबी आ गई, जिस वजह से गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। इसके बाद यह हादसा हुआ। फिलहाल घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनका इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि ओमान में सड़क से गाड़ी के उतर जाने के कारण एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। यह घटना शनिवार को सुल्तान सईद बिन तैमूर स्ट्रीट पर हुई, जब गाड़ी सड़क से हटकर दूसरी तरफ चली गई।

पीओके में पाकिस्तानी सेना की बर्बरता जारी, ब्रिटेन के सांसदों की यूएन महासचिव से हस्तक्षेप की मांग

लंदन,। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बिगड़ते हालात को लेकर 70 से ज्यादा ब्रिटिश सांसदों ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। इसके साथ ही पाकिस्तानी बलों द्वारा किए जा रहे नरसंहार को खत्म करने और नागरिकों की जान की सुरक्षा के उपाय करने की अपील भी की गई है। ब्रिटिश सांसदों की अपील क्षेत्र में बढ़ती हिंसा और दुर्व्यवहार के बीच आई है, जहां पाकिस्तानी बलों की क्रूर कार्रवाई में सैकड़ों लोग मारे गए और घायल हुए हैं। क्षेत्र में अभी भी सख्त नाकाबंदी, कर्फ्यू और पूरी तरह से कम्युनिकेशन्स ब्लैकआउट लागू है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव को संबोधित पत्र में ब्रिटिश सांसदों ने कहा, "पिछले कुछ महीनों में, मौतों और चोटों, संचार पर प्रतिबंधों, मनमानी गिरफ्तारियों, आवश्यक आपूर्ति में व्यवधान और शांतिपूर्ण नागरिक और राजनीतिक अभिव्यक्ति पर लगाम की रिपोर्टों ने काफी चिंता पैदा की है। हमने ब्रिटिश कश्मीरियों से भी लगातार सुना है, जो संबंधित क्षेत्र में अपने रिश्तेदारों और प्रियजनों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता में हैं।" ब्रिटिश सांसदों ने कहा कि पीओके में चिंताजनक स्थिति के लिए अब तनाव कम करने, जवाबदेही और शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में मदद के लिए निरंतर अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव की आवश्यकता है। सांसदों ने कहा, "इन कदमों के साथ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा और राजनीतिक भागीदारी का सम्मान भी होना चाहिए।"

न्यूयॉर्क में भारतीय शख्स की गोली मारकर हत्या, बहस के बाद की फायरिंग; फरार हुआ आरोपी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक भारतीय नागरिक की गोली मारकर हत्या कर देने का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दो लोगों में पहले बहस हुई, जिसके बाद एक शख्स ने दूसरे को गोली मार दी। घटना के बाद आरोपी कार में बैठकर मौके से फरार हो गया। वहीं पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायल शख्स को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। फिलहाल पुलिस की टीम घटना की जांच कर रही है। इस घटना के बाद नॉर्थ अमेरिकन पंजाबी एसोसिएशन ने रविवार गुरदीप सिंह की हत्या पर दुख और चिंता व्यक्त की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, न्यूयॉर्क शहर में एक अज्ञात व्यक्ति ने बहस के बाद 27 वर्षीय भारतीय नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी। क्वींस के रहने वाले गुरदीप सिंह को शुक्रवार रात करीब 10 बजे (स्थानीय समय) ईस्ट न्यूयॉर्क इलाके में स्टेनली एवेन्यू के पास गोली मारी गई, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद संदिग्ध व्यक्ति मौके से भाग गया। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें एक व्यक्ति मिला जिसके सीने में गोली लगी थी।

CBS न्यूज के अनुसार, पैरामेडिक्स पीड़ित को अस्पताल ले गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। CBS न्यूज को मिले एक सर्विलांस वीडियो में सड़क पर दो लोगों को लड़ते हुए और उसके बाद रोशनी की एक चमक (जो संभवतः गोली चलने की थी) दिखाई दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक व्यक्ति जमीन पर गिर गया और दूसरा कार में बैठकर चला गया। पुलिस ने शनिवार सुबह तक इलाके में सबूतों की तलाश की। अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और मामले की जांच चल रही है। घटनास्थल के पास काम करने वाले एंथनी सैंटोस ने CBS न्यूज को बताया कि इस घटना ने उन्हें "हैरान" और "डरा" दिया है। अमेरिका स्थित नॉर्थ अमेरिकन पंजाबी एसोसिएशन (NAPA) ने रविवार को गुरदीप सिंह की हत्या पर दुख और चिंता व्यक्त की।

Guinea में कचरे का पहाड़ ढहने से मलबे में दबीं कई झुग्गियां, 30 लोगों की मौत

अफ्रीकी देश Guinea में कचरे का पहाड़ ढहने से बड़ी दुर्घटना हो गई, जिसकी वजह से 30 लोगों की जान चली गई। दरअसल, मलबे की चपेट में कई झुग्गियां आ गईं और इसकी वजह से 30 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। Guinea सरकार की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, रविवार तड़के गिनी की राजधानी कोनाक्री के सबसे बड़े लैंडफिल यानी कचरा डंपिंग साइट में कचरे का एक बड़ा ढेर ढह गया और इसकी वजह से ये हादसा हुआ है। अफसरों ने बताया कि सुबह करीब 2 बजे शुरू हुई भारी बारिश की वजह से 'Dar Es Salam' में जमा कचरा बहने लगा, जिससे लैंडस्लाइड हुआ और पास की झुग्गियां मलबे में दब गईं। जिंदा बचे लोगों की खोज के लिए मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा था। इस घटना में 6 लोग गंभीर तौर पर घायल हो गए और कई झुग्गियां नष्ट हो गईं। मिलिट्री इंजीनियरिंग बटालियन के सैनिटेशन ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल बाल्डे मामादौ बाइलो के मुताबिक, कोनाक्री के सबसे बड़े खुले कचरा डंप को रविवार को बंद करने का निर्णय किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, लैंडफिल के आस-पास रहने वाले लोगों को वहां से हटने का नोटिस जारी किया गया था, जिसकी वजह से कई लोगों ने वह इलाका पहले ही छोड़ दिया था, लेकिन दुर्घटना के वक्त भी कई लोग वहां मौजूद थे। कोनाक्री में मौके पर मौजूद क्षेत्रीय प्रशासन और विकेंद्रीकरण मंत्री डिएनाबू टुरे ने बताया, "हम यह पक्का करेंगे कि बाकी परिवारों को दूसरी जगह बसाया जाए, उनके रहने का इंतजाम कराया जाएगा।" मलबे में दबे हुए लोगों को निकालने की कोशिश की जा रही है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अमेरिका का 'नया इलाका', ट्रंप ने शेयर किया मैप, मिडिल ईस्ट में बढ़ी हलचल

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के टूटने के बाद मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिकी दावे को लेकर एक मैप शेयर किया है। उन्होंने इसे अमेरिका का 'नया इलाका' बताया। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल अकाउंट पर इस मैप को शेयर करते हुए कहा- "न्यूज़ U.S. टेरिटरी। होर्मुज स्ट्रेट।" वहीं ट्रंप के इस दावे ने एक बार फिर मिडिल ईस्ट में हलचल बढ़ा दी है। इससे पहले ट्रंप ने 14 अगस्त को लॉन्ग आइलैंड में एक इवेंट में कहा था कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को जल्द ही अमेरिका का इलाका घोषित किया जाएगा। कुछ दिनों बाद 18 अगस्त को, उन्होंने यही तस्वीर शेयर की थी और कहा था कि जल्द ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को अमेरिका का इलाका घोषित किया जाएगा। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच काफी विवाद रहा है। ट्रंप प्रशासन का कहना था कि तेहरान को इसे फिर से खोलना होगा जबकि ईरान का कहना था कि होर्मुज उसके कंट्रोल में रहेगा।

वो जैसा चाहेगा इस इलाक में वैसा ही होगा। वहीं ईरान ने होर्मुज पर ट्रंप के दावों की भी आलोचना की है, और गंभीर नतीजों की चेतावनी दी है। ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी मोहसेन रेज़ाई ने कहा कि तेहरान तब तक होर्मुज को फिर से नहीं खोलेगा जब तक अमेरिका अपने कमिटमेंट्स पूरे नहीं करता और अपना बर्ताव नहीं बदलता। ईरान इंटरनेशनल ने रेज़ाई के हवाले से कहा, "स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ बंद है और फिर से नहीं खुलेगा। अगर अमेरिका अपना बर्ताव बदलता है और अपने कमिटमेंट्स पूरे करता है, तो फिर समीकरण बदलेंगे, लेकिन इस बार अमेरिका को एक्शन लेना होगा। इसे बातों और बातचीत से हल नहीं किया जा सकता।" ईरान चाहता है कि अमेरिका नाकेबंदी हटाए, युद्ध से हुए नुकसान के लिए मुआवजा दे, आर्थिक प्रतिबंध हटाए और ईरान की जब्त की गई संपत्तियों को मुक्त करे।

12 घंटे में यूक्रेन के 250 ड्रोन मार गिराए, 19 इलाकों में एयर डिफेंस एक्टिव : रूस

मॉस्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने 12 घंटों के भीतर यूक्रेन के 250 ड्रोन को नष्ट कर दिया। मंत्रालय के अनुसार, शनिवार सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे (मॉस्को समय) के बीच रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने मॉस्को समेत 19 इलाकों में 250 यूक्रेनी फिक्स्ड-विंग ड्रोन मार गिराए। इसके अलावा, मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में मॉस्को क्षेत्र की ओर उड़ान भरने वाले ड्रोन की संख्या 2,600 से अधिक रही है। उन्होंने कहा कि इनमें से ज्यादातर ड्रोन शहर से दूर बाहरी इलाकों में ही वायु रक्षा प्रणालियों की ओर से निष्क्रिय कर दिए गए। मेयर के अनुसार, मॉस्को की ओर आते समय कुल 493 ड्रोन नष्ट किए गए। इससे पहले शुक्रवार को रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि रूसी सेना ने पिछले एक सप्ताह में 11 बस्तियों पर कब्जा किया और यूक्रेनी सेना के खिलाफ एक बड़े और नौ सामूहिक हमले किए।

मंत्रालय के मुताबिक, ये 11 बस्तियां खारकीव, डोनबास और जापोरिज्जिया क्षेत्रों में स्थित हैं। रूसी हमलों का निशाना यूक्रेन के रक्षा उद्योग से जुड़े प्रतिष्ठान, लॉजिस्टिक्स हब, ऊर्जा और परिवहन ढांचा, जमीनी रोबोटिक सिस्टम बनाने वाली इकाइयां, ड्रोन निर्माण केंद्र और उनसे जुड़े अन्य संयंत्र थे।

मंत्रालय ने कहा कि मिसाइल लॉन्चिंग ठिकानों, गोला-बारूद और ईंधन भंडार, आपूर्ति केंद्रों तथा यूक्रेनी सैनिकों और विदेशी लड़ाकों के अस्थायी ठिकानों पर भी हमले किए गए।

चीन ने उठाया चौंकाने वाला कदम, अपने महत्वाकांक्षी 'चांग ई-7' अंतरिक्ष चंद्र मिशन को अचानक किया स्थगित

हाइकोउ। चीन ने रविवार को एक चौंकाने वाला फैसला लेते हुए अपने महत्वाकांक्षी 'चांग ई-7' अंतरिक्ष चंद्र मिशन को अचानक स्थगित कर दिया। चीन के इस फैसले से दुनियाभर में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया कि आखिर चीन ने ऐसा क्यों किया? ये चर्चाएं इसलिए भी हुईं क्योंकि ये चीन का महत्वाकांक्षी मिशन था और चीन का एक स्टेप पीछे लेना एक बड़ी बात है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने इस मिशन के बारे में पहले ही ये बताया था कि अंतरिक्ष में इस मिशन का उद्देश्य प्रमुख टेक्नालॉजी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल करना था। यान को आने वाले दिनों में चीन के दक्षिणी द्वीप हैनान स्थित वेनचांग अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र से रवाना होना था। मिशन के दौरान चंद्रमा पर बर्फ की तलाश करने समेत कई तरह की वैज्ञानिक जांच पड़ताल की जानी थी लेकिन फिलहाल ये मिशन स्थगित हो चुका है। चीन मानव अंतरिक्ष उड़ान एजेंसी ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, "मिशन को शुरू करने के लिए परिस्थितियां अनुकूल नहीं हैं और यह मिशन इस साल निर्धारित समय-सीमा में नहीं शुरू हो सकता। यह निर्णय 'व्यापक आकलन' के बाद लिया गया और इसके पीछे 'सावधानी, विश्वसनीयता और मिशन की पूर्ण सफलता' के सिद्धांतों को ध्यान में रखा गया।" चीन ने अपने मिशन का नाम चांग ई-7 रखा था। चांग ई का अर्थ चंद्रमा की देवी से है। बता दें कि चंद्रमा पर अध्ययन का ये सातवां मिशन है। इससे पहले साल 2024 में चीन का चांग ई-6 मिशन चंद्रमा से मिट्टी और पत्थर लेकर धरती पर लौटा था। बता दें कि 'चांग-ए-7' मिशन को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर जमी हुई बर्फ़ (पानी) की खोज के लिए डिजाइन किया था। इसका इस्तेमाल अमेरिका भी करना चाहता था लेकिन इस साल ये तय समय पर नहीं हो पाएगा। अभी यह साफ नहीं है कि चीन इस मिशन को लॉन्च करने की कोशिश कितनी जल्दी कर पाएगा। देरी की सटीक वजह तुरंत साफ नहीं हो पाई। दरअसल अमेरिका और चीन, चांद के दक्षिणी ध्रुव पर बस्तियां बसाने की होड़ में लगे हैं, जहां माना जाता है कि अंधेरे वाले गड्ढों में भारी मात्रा में जमा हुआ पानी मौजूद है। अभी तक किसी भी मिशन ने सीधे तौर पर चंद्रमा पर पानी का विश्लेषण नहीं किया है, जैसा कि चांग-ई-7 करने की कोशिश करेगा। इससे पहले साल 2023 में ये खबर भी सामने आई थी कि चीन ने Space में 100 से भी ज्यादा पौधों के बीज भेजे हैं।

पाकिस्तान में बॉडी ऑर्गन तस्करी का काला कारोबार, गरीबी और कमजोर कानून दे रहे बढ़ावा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इंसान के अंगों की अवैध तस्करी सिर्फ देश के अंदर का अपराध नहीं, बल्कि यह एक अंतरराष्ट्रीय धंधा बन चुका है जो विदेशी मांग को पूरा कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जून में इस्लामाबाद में प्लेसेंटा को वियतनाम निर्यात करने का मामला सामने आया था, जिसने इस व्यापार के अंतरराष्ट्रीय होने का खुलासा किया।

इससे पहले भी ट्रांसप्लांट टूरिज्म की रिपोर्ट्स आ चुकी हैं, जिसमें विदेशी मरीज अवैध तरीकों से अंग लेने के लिए पाकिस्तान आते हैं। 'पाकिस्तान ऑब्जर्वर' की रिपोर्ट में कहा गया, "यह क्रॉस-बॉर्डर पहलू स्थानीय दलालों, विदेशी मरीजों, नकद भुगतान और फर्जी मेडिकल दस्तावेजों को एक साथ लाता है।

यह व्यापार वहीं मुनाफा तलाशता है जहां निगरानी सबसे कमजोर होती है। जब ग्राहक कई देशों में फैले होते हैं, तो सप्लाई चेन एक देश से बाहर निकल जाती है, जिससे इस अपराध को पकड़ना और रोकना मुश्किल हो जाता है। पाकिस्तान की मौजूदा समस्या बड़ी गिरफ्तारियों का न होना नहीं, बल्कि हर छापे के बाद इसे स्थायी रूप से खत्म करने में नाकामी है।" रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के अवैध अंग व्यापार ने एक बार फिर कड़वी हकीकत दिखाई है कि कैसे गरीबी, नियामक विफलताएं और मेडिकल कदाचार कमजोर लोगों को अपराध की दुनिया में 'सामान' बना देते हैं।

यह गिरफ्तारी इस्लामाबाद में पहले के ऑपरेशन के बाद हुई, जिसमें इसी जांच में एक डॉक्टर और उसकी मेडिकल टीम के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था।

ऊर्जा जरूरतों के बजाय वॉरहेड को प्राथमिकता देता है पाकिस्तान में परमाणु कार्यक्रम

ब्रसेल्स। पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंताएं हैं कि संवेदनशील तकनीक जानबूझकर या किसी दुर्घटना के कारण फैल सकती है। गैर-कानूनी परमाणु नेटवर्क के साथ इस्लामाबाद के पुराने संबंधों ने परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने के मामले में उसकी विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण उसके परमाणु कामकाज की लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जांच-पड़ताल होती रहती है। 'यूरोपियन टाइम्स' की एक रिपोर्ट में बताया गया है, "पाकिस्तान का परमाणु कार्यक्रम शुरू से ही सेना पर केंद्रित रहा है। इसी वजह से परमाणु ईंधन बनाने वाली सुविधाओं और परमाणु नीति से जुड़े हर बड़े फैसले पर सेना का असर दिखता है। परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) से बाहर रहने के कारण पाकिस्तान ने सुरक्षा पर आधारित रवैया अपनाया है, जिसमें परमाणु हथियारों को देश की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्तर पर दुश्मन को डराने-धमकाने (डिटेरेंस) का मुख्य आधार माना जाता है।

इससे दोहरे इस्तेमाल वाली परमाणु सामग्री और तकनीक के प्रबंधन और क्षेत्रीय स्थिरता पर इसके लंबे समय के असर को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हुई हैं।" रिपोर्ट के अनुसार, शुरू से ही पाकिस्तान के नेताओं ने परमाणु क्षमता को अपने बड़े पड़ोसी देश के सामने अस्तित्व बचाने के लिए जरूरी और असमान सुरक्षा माहौल में रणनीतिक संतुलन बनाने वाले साधन के तौर पर देखा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि परमाणु तकनीक का स्वभाव ही ऐसा है कि उसका दो तरह से इस्तेमाल हो सकता है। जिन प्रक्रियाओं से रिएक्टर का ईंधन बनता है, उन्हीं का इस्तेमाल हथियार बनाने लायक सामग्री तैयार करने में भी किया जा सकता है।

खेल समाचार

कोलंबो टेस्ट में ऋषभ पंत आगे बल्लेबाजी करेंगे या नहीं? टीम इंडिया के बैटिंग कोच के बयान से पूरी स्थिति हुई साफ

भारत और श्रीलंका के बीच में कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड पर टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है, जिसमें पहले दिन का खेल खत्म होने पर टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 300 रन बना लिए थे। पहले दिन के आखिरी सेशन के खेल में टीम इंडिया की टेंशन उस समय बढ़ गई जब शॉर्ट बॉल पर पुल शॉट खेलने के प्रयास में ऋषभ पंत चोटिल हो गए जिसमें उनकी कलाई की हड्डी पर गेंद लगी। इस वजह से पंत 3 के निजी स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट होकर वापस पवेलियन लौट गए और इसके बाद भारतीय टीम ने 2 विकेट गंवाए लेकिन पंत बल्लेबाजी करने के लिए वापस नहीं आए। ऐसे में सभी की नजरें अब दूसरे दिन के खेल पर है जिसमें पंत वापस बैटिंग के लिए आएंगे या नहीं जिसको लेकर टीम इंडिया के बैटिंग कोच ने पहले दिन का खत्म होने के बाद बड़ा अपडेट दिया है। कोलंबो टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए आए भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने ऋषभ पंत की फिटनेस को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि वह अब पूरी तरह से ठीक हैं और मुझे उन्हें कल बल्लेबाजी करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रणेश एम. ने कनिजसा ओपन 2026 का खिताब जीता

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रणेश एम. ने हंगरी के नागीकानिजा में हुए प्रतिष्ठित 'कनिजा ओपन 2026' में ग्रुप-ए का खिताब अपने नाम कर लिया है। प्रणेश ने रोमांचक 9वें राउंड के बाद टूर्नामेंट में पहला स्थान हासिल किया। प्रणेश की रेटिंग 2673 है और अगस्त 2026 की लेटेस्ट फिडे रैंकिंग में वह 44वें स्थान पर हैं। प्रणेश ने नौ राउंड में सात अंक हासिल किए और तीन अन्य खिलाड़ियों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान साझा किया। उन्होंने बेहतर टाई-ब्रेक के आधार पर खिताब जीता, जबकि इजरायल के ओर ब्रोनस्टीन, यूक्रेन के आंद्रे वोलोकिटिन और भारत के कार्तिक वेंकटरमन क्रमशः दूसरे से चौथे स्थान पर रहे। कार्तिक वेंकटरमन सीधे तौर पर खिताब जीत सकते थे, लेकिन आखिरी राउंड में वोलोकिटिन के साथ उनका मुकाबला ड्रॉ रहा और दोनों ने सात-सात अंक हासिल किए। ब्रोनस्टीन ने नौवें राउंड में अपने ही देश के आईएम बेनी आइजेनबर्ग को हराकर शीर्ष स्थान साझा किया। कनिजा ओपन 2026 में अन्य भारतीयों में, नीलाष साहा ने खिलाड़ियों के एक बड़े समूह के बीच संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहने के बाद 6.5 अंकों के साथ 10वां स्थान हासिल किया। प्रणेश की यह जीत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय शतरंज के बढ़ते दबदबे का एक और बेहतरीन उदाहरण है। साल 2025 में प्रणेश ने चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स में चैलेंजर्स सेक्शन जीता था।

जर्मन सुपरकप: बायर्न म्यूनिख ने जीता खिताब, फाइनल में बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराया

डॉर्टमुंड। बायर्न म्यूनिख ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराकर सीजन का पहला जर्मन सुपरकप (फ्रांज बेकनबाउर सुपरकप) जीता। जमाल मुसियाला और सर्ज ग्नाब्री के बाहर होने पर, बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने नए खिलाड़ी डिफेंडर नैथेनियल ब्राउन को नंबर 10 रोल में भेजा।

23 साल के खिलाड़ी ने 28वें मिनट में गोल करके कोच के भरोसे को सही साबित किया। जोशुआ किमिच ने माइकल ओलिस की ओर एक लंबी गेंद भेजी, जिन्होंने एरिया के किनारे पर डॉर्टमुंड के डिफेंस को रोककर ब्राउन को बॉल दी। जर्मनी के इंटरनेशनल खिलाड़ी ने कोई गलती नहीं की, और गोलकीपर ग्रेगर कोबेल को छकाते हुए बायर्न के लिए अपना पहला प्रतियोगी गोल किया। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में विजिटर्स ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। जोबे बेलिंगहैम ने अपने ही हाफ में पजेशन खो दिया। ओलिस गेंद लेकर पेनल्टी एरिया में दौड़े और शांति से कोबेल के पार नीचे-बाएं कोने में गोल कर दिया। इस जीत ने बायर्न को रिकॉर्ड 12वां सुपरकप टाइटल दिलाया। डॉर्टमुंड ने यह कॉम्पिटिशन छह बार जीता है।

हॉकी वर्ल्ड कप में भारत की उम्मीदों पर फिरा पानी, ऑस्ट्रेलिया से ड्रॉ के बाद सेमीफाइनल की रेस से बाहर

जिस मुकाबले में भारत को हर हाल में जीत चाहिए थी, वहां गोल के लिए तरसती भारतीय महिला हॉकी टीम की उम्मीदें आखिरकार खत्म हो गईं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को खेला गया अहम मुकाबला 0-0 से ड्रॉ रहा और इसके साथ ही भारत हॉकी वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गया। ऑस्ट्रेलिया ने कम गोल अंतर के बावजूद अधिक गोल करने के आधार पर अंतिम चार में जगह बना ली। इससे पहले टीम इंडिया को नीदरलैंड से शिकस्त का सामना करना पड़ा था। भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के गोल अंतर का रिकॉर्ड माइनस 2 था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खाते में तीन गोल थे, जबकि भारत ने दो गोल किए थे। यही आंकड़ा दोनों टीमों के बीच निर्णायक साबित हुआ। दोनों टीमों ने टूर्नामेंट के अपने शुरुआती पूल मुकाबले में चीन के खिलाफ भी ड्रॉ खेला था। भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए जीत जरूरी थी, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए ड्रॉ ही काफी था। शायद इसी दबाव का असर भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी साफ नजर आया। दूसरे चरण के अपने पहले मुकाबले में नीदरलैंड्स से दो गोल से हारने के बाद शानदार प्रदर्शन करने वाली टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी लय में नजर नहीं आई। भारतीय खिलाड़ियों ने कई मौके गंवाए और मिडफील्ड में गेंद पर पकड़ बनाए रखने में भी संघर्ष किया। ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। दूसरे ही मिनट में उसे गोल का मौका मिला, लेकिन भारतीय टीम ने रेफरल लिया और टीवी अंपायर ने शॉट को खतरनाक करार देते हुए गोल रद्द कर दिया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया लगातार दबाव बनाता रहा। 10वें मिनट में एमी लॉटन के रिवर्स शॉट को अनुभवी गोलकीपर सविता ने शानदार बचाव करते हुए रोक दिया। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन गोल नहीं हो सका। कुछ देर बाद ग्रेस यंग के रिवर्स शॉट को बिचु देवी ने दाईं ओर डाइव लगाकर बचा लिया। भारत को भी हाफ टाइम से ठीक पहले पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन टीम उसका फायदा नहीं उठा सकी। दूसरे हाफ में भी कहानी नहीं बदली। भारत के पास गोल करने के मौके आए, लेकिन अंतिम पास और फिनिशिंग में कमी नजर आई। 46वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे भारतीय डिफेंस ने रोक दिया। इसके बाद भारत ने जवाबी हमला किया, लेकिन नवनीत और लालरेम्सियामी के बीच तालमेल की कमी के कारण एक बेहतरीन मौका हाथ से निकल गया। समय खत्म होने की ओर बढ़ा तो भारतीय टीम ने पूरी ताकत झोंक दी। हेड कोच श्योर्ड मारिन ने आखिरी पांच मिनट में गोलकीपर बिचु देवी को बाहर बुलाकर एक अतिरिक्त आउटफील्ड खिलाड़ी मैदान पर उतारा। इसके बावजूद भारत गोल नहीं कर सका। 59वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया को मिले पेनल्टी कॉर्नर को सलीमा टेटे ने शानदार तरीके से आगे बढ़कर नाकाम किया, लेकिन तब तक भारतीय टीम की सेमीफाइनल की उम्मीदें टूट चुकी थीं। पूल में तीसरे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम अब क्लासिफिकेशन मुकाबला खेलेगी। वहीं ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स ने पूल से सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला पूरे टूर्नामेंट का सबसे महत्वपूर्ण मैच था, लेकिन निर्णायक मौके पर गोल नहीं कर पाने की कमजोरी एक बार फिर सामने आ गई।

विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप: ऑस्ट्रेलिया के साथ 0-0 से ड्रॉ के बावजूद भारत खिताबी दौड़ से बाहर

अम्स्टेलवीन। एफआईएच विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में रविवार को ऑस्ट्रेलिया के साथ मुकाबला 0-0 से ड्रॉ होने के बावजूद भारतीय टीम खिताबी रेस से बाहर हो गई। दोनों टीमों ने पूरे मैच में कड़ा संघर्ष किया, लेकिन निर्धारित चार क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। ऑस्ट्रेलिया के सेमीफाइनल में पहुंचने की वजह गोल के मुकाबले में भारत से आगे होना रहा। अब भारत पांचवें/छठे स्थान के लिए खेलेगा। अम्स्टेलवीन (नीदरलैंड) के वागेनर हॉकी स्टेडियम खेले गए इस मैच में स्कोरलाइन 0-0 रहने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने मैच के दौरान कई पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए, जबकि भारत की ओर से लगातार दबाव बनाने की कोशिश की गई। भारत की बलजीत कौर को सातवें मिनट में ग्रीन कार्ड मिला, जबकि ऑस्ट्रेलिया की स्टीवर्ट टैटम को 11वें मिनट में ग्रीन कार्ड दिखाया गया। इस मुकाबले में कुल 9 पेनाल्टी कॉर्नर देखने को मिले, लेकिन दोनों ही टीमें इन मौकों को गोल में तब्दील नहीं कर सकीं। चारों क्वार्टर के बाद स्कोर 0-0 रहा और दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम 'पूल-ई' में तीन मुकाबलों में 2 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। वहीं, नीदरलैंड इस पूल के तीनों मुकाबले जीतकर शीर्ष पर रही और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ऑस्ट्रेलिया ने 3 में से 2 मैच अपने नाम करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 'पूल-डी' में चीन के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलते हुए अपने अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद उसने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 6-1 से शानदार जीत हासिल की और फिर इंग्लैंड के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला। इसके बाद 'पूल-ई' में भारत को नीदरलैंड के विरुद्ध मैच 0-2 से गंवाया, जिसके बाद उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों 0-0 से ड्रॉ खेलकर खिताबी रेस से बाहर होना पड़ा है। भारतीय टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबला करो या मरो की स्थिति वाला था, लेकिन गोल नहीं कर पाने के कारण टीम को एक अंक से ही संतोष करना पड़ा। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने भी कई पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति और गोलकीपिंग के सामने उसके प्रयास नाकाम रहे।

हथकड़ी में नजर आए इंग्लिश गेंदबाज ब्रायडन कार्स, इंग्लैंड क्रिकेट में मचा हड़कंप

इंग्लैंड क्रिकेट टीम की मुश्किलें मैदान के बाहर भी खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बीच तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह पुलिस की हथकड़ी में नजर आ रहे हैं। इस घटना के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वीडियो में कार्स को डर्बी के एक नाइट क्लब के बाहर पुलिस अधिकारियों के बीच ले जाते हुए देखा गया। कार्स पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, लेकिन पहले टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिलने के बाद उन्हें डरहम के लिए काउंटी चैंपियनशिप मुकाबला खेलने की अनुमति दी गई थी। डरहम ने डर्बीशायर को तीन दिन के भीतर हराया। कार्स ने मैच में 26 रन बनाए और गेंदबाजी में कुल दो विकेट लिए। मुकाबला खत्म होने के बाद वह टीम के साथियों के साथ जश्न मनाने पहुंचे थे, तभी यह घटना हुई। सोशल मीडिया पर सामने आए एक छोटे वीडियो में कार्स के हाथ पीछे की ओर हथकड़ी में बंधे दिखाई दे रहे हैं। वह अपने डरहम टीममेट मैथ्यू पॉट्स से बात करते नजर आते हैं। इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स भी वीडियो के पीछे दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, घटना की वजह और पुलिस ने कार्स को किस परिस्थिति में हिरासत में लिया, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। ECB ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि हमें डर्बी में पिछली रात हुई एक घटना की जानकारी है और हम फिलहाल इसकी जांच कर रहे हैं। जब संभव होगा, हम आगे की जानकारी देंगे। डर्बीशायर पुलिस से भी इस मामले पर प्रतिक्रिया मांगी गई है, जबकि डरहम ने टिप्पणी करने से इनकार किया है। कार्स के लिए यह घटनाक्रम ऐसे समय आया है जब वह लंबे समय बाद इंग्लैंड की टेस्ट टीम में वापसी की तैयारी कर रहे थे। पिछले एशेज में वह इंग्लैंड के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे, लेकिन इस समर में अब तक कोई इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेल पाए हैं।

दूसरा टेस्ट: पड्डिकल की बैक-टू-बैक सेंचुरी, पहले दिन भारत ने जड़ा 'तिहरा शतक'

कोलंबो। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में जारी दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार बल्लेबाजी की। मेहमान टीम ने देवदत्त पड्डिकल की शतकीय पारी के दम पर दिन की समाप्ति तक 85 ओवरों का सामना करते हुए 5 विकेट गंवाकर 300 रन बना लिए हैं। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए सलामी जोड़ी के रूप में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने 37 रन की साझेदारी की। केएल राहुल 33 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद देवदत्त पड्डिकल ने मोर्चा संभाला। उन्होंने जायसवाल के साथ दूसरे विकेट के लिए 29 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 66 के स्कोर तक पहुंचाया। जायसवाल अर्धशतक से महज 5 रन दूर रह गए। उन्होंने 53 गेंदों में 9 चौकों के साथ 45 रन की पारी खेली। यहां से कप्तान शुभमन गिल ने पड्डिकल के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 रन जुटाकर टीम को 186 के स्कोर तक पहुंचाया। गिल ने 108 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौकों के साथ 50 रन बनाए। ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। वह सिर्फ 3 ही रन बना सके थे।

मिचेल स्टार्क ने दूसरे टेस्ट में गेंद से बरपाया कहर, सिर्फ 22 गेंदों में पूरा किया 5 विकेट हॉल

बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच मैके में खेला जा रहा है। इस टेस्ट मैच के पहले दिन ही ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने नई गेंद से कहर बरपाया है। मुकाबले में में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतने के बाद बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। इस मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेकर स्टार्क ने ऑस्ट्रेलिया को शानदार शुरुआत दिलाई। मिचेल स्टार्क की घातक गेंदबाजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने सिर्फ 22 गेंद में अपना पंजा खोला। हाल ही में स्टार्क टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज बने थे। मैके में मिचेल स्टार्क ने अपने पांच विकेट हॉल के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में विकेट के मामले में साउथ अफ्रीका के दिग्गज डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया है। स्टार्क के अब टेस्ट फॉर्मेट में 440 विकेट हो गए हैं। वहीं, डेल स्टेन की बात करें तो उन्होंने 93 टेस्ट में 439 विकेट अपने नाम किए थे। स्टार्क अब सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप-10 में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दुनिया के 5वें और ऑस्ट्रेलिया के लिए सिर्फ दूसरे तेज गेंदबाज भी बने हैं।

यशस्वी जायसवाल को कोलंबो टेस्ट में गुस्सा दिखाने का हो सकता नुकसान

भारत और श्रीलंका के बीच में दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले का आगाज 23 अगस्त से हो गया जो कोलंबो के मैदान पर खेला जा रहा है। इस मैच के पहले दिन के खेल में उस समय माहौल गर्मा गया जब टीम इंडिया के ओपनिंग बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आउट होने के बाद श्रीलंकाई तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो से उलझ गए। यशस्वी और असिथा के बीच जहां तीखी बहस देखने को मिली तो वहीं भारतीय ओपनिंग बल्लेबाज के हेलमेट का संपर्क श्रीलंकाई गेंदबाज के माथे से हो गया। अब इस घटना को लेकर यशस्वी जायसवाल को आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन का सामना करना पड़ सकता है जिसमें उनपर कार्रवाई का खतरा भी अब मंडरा रहा है। जायसवाल ने कोलंबो टेस्ट में पारी की अच्छी शुरुआत की थी जिसमें वह अपने अर्धशतक से ठीक पहले 45 के निजी स्कोर पर असिथा की गेंद पर बोल्ड हो गए थे। यशस्वी जायसवाल और असिथा फर्नांडो के बीच हुई इस कहासुनी को लेकर पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार उनका बचाव करने के साथ कहा कि यह घटना जोश में हुई हो सकती है,लेकिन उन्होंने कहा कि जायसवाल को प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ी के साथ शारीरिक संपर्क नहीं करना चाहिए था। मुझे लगता है कि श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने जायसवाल से कुछ कहा होगा और यह घटना उस समय के जोश में हो गई होगी। हालांकि इसके बावजूद यशस्वी को फर्नांडो के इतने करीब नहीं जाना चाहिए था, लेकिन जब आप उस समय के जोश में होते हैं तो ऐसा हो जाता है। कोलंबो टेस्ट मैच के पहले दिन हुई इस घटना को लेकर हर कहीं चर्चा देखने को मिली जिसमें श्रीलंका की तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए उनके गेंदबाजी कोच रयान वान नीकर्क ने कहा कि ऐसी घटनाओं पर गौर करना मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट का काम है।

क्या आप सही समय पर ले रहे हैं Vitamin D? न्यूरोलॉजिस्ट ने बताया सप्लीमेंट लेने का सही तरीका

हमारे शरीर को धूप की मदद से विटामिन D मिलता है, लेकिन भारतीय लोगों में इसकी कमी काफी आम है। विटामिन D की कमी से हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में डॉक्टर सप्लीमेंट की सलाह दे सकते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि विटामिन D को किस समय और किस तरह लेना चाहिए, इसका भी असर इसके अवशोषण पर पड़ सकता है? डॉ. प्रियंका सहरावत ने बताया कि विटामिन D सप्लीमेंट लेने का सही तरीका क्या है और किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है। विटामिन D सप्लीमेंट कैप्सूल, शीशी, सिरप और पाउच के रूप में आते हैं जिन्हें आपको घोलकर लेना होता है। चूँकि विटामिन डी एक फैट-सॉल्यूबल विटामिन है, इसलिए इसका अवशोषण तब सबसे ज्यादा होता है जब हमारी आंतों में फैट मौजूद हो। विटामिन D सप्लीमेंट तब लें जब वे ज्यादा खाना खा रहे हैं। इससे फैट-सॉल्यूबल विटामिन के अवशोषण में मदद मिल सकती है। इसलिए, अगर आपके नाश्ते या दोपहर के खाने में हेल्दी फैट शामिल है, तो विटामिन D सप्लीमेंट लेने का यह सबसे अच्छा समय होगा। न्यूरोलॉजिस्ट बताती हैं, "मैं मरीज़ों को सलाह देती हूँ कि वे इसे दिन के सबसे बड़े खाने (मेन मील) के साथ लें। यानी जब वे दिन में सबसे ज़्यादा खाना खाते हैं जिसमें कार्बोहाइड्रेट, फैट और प्रोटीन अच्छी मात्रा में हों। आप विटामिन D कैप्सूल या सिरप को खाने के साथ ले सकते हैं, लेकिन पाउडर वाले विटामिन D को लेना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, क्योंकि इसे किसी लिक्विड में घोलना पड़ता है। पानी सबसे आसान विकल्प लग सकता है, लेकिन डॉ. सहरावत असल में ऐसा न करने की सलाह देती हैं। इसके बजाय, वह पाउडर वाले विटामिन D को एक गिलास दूध में घोलकर लेने की सलाह देती हैं। दरअसल, दूध फैट का अच्छा स्रोत है, और वह भी हेल्दी फैट। दूसरी बात, दूध में कैल्शियम होता है। अगर हमारे शरीर में विटामिन D सही मात्रा में हो, तो यह हड्डियों में कैल्शियम को सोखने में मदद करता है। इसलिए, हमेशा दूध में घोलकर ही सैशे लेना बेहतर होता है। विटामिन डी शरीर में कैल्शियम के अवशोषण और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर इसे भोजन में मौजूद वसा के साथ बेहतर तरीके से अवशोषित कर सकता है।

जानें एक हफ्ते में कितना वजन कम करना है सुरक्षित

इन दिनों देश दुनिया में मोटापा एक महामारी बनकर उभरी है। मोटापे से ग्रसित लोगों की संख्या दिन ब दिन बढ़ती जा रही है। मोटापा की वजह से लोग डायबिटीज, थाइरॉइड, हाई बीपी, हार्ट अटैक जैसे गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। मोटापे की बढ़ने की वजह से लोगों का आत्मविश्वास भी डगमगाने लगता है। ऐसे में लोग अपना वजन कम करने के लिए जी जान लगा देते हैं। बढे मोटापे पर तेजी से लगाम लगाने के लिए लोग इन दिनों गलत तरीके भी अपना रहे हैं। हाल ही में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) ने मोटापे को लेकर दिशा निर्देश जारी किया है। आईसीएमआर (ICMR) ने कहा है कि लोगों को अपना वजन सुरक्षित तरीके से कम करना चहिये। जल्दबाजी में वजन कम करने के लिए वजन घटाने वाली दवाईयों का सेवन करने से आपकी सेहत को भारी नुकसान हो सकता है। आईसीएमआर का कहना है कि एक साथ ज्यादा वजन कम करने से भले ही आपका वजन कम हो जाए लेकिन आपकी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने यह भी बताया है कि एक हफ्ते में कितना वजन कम करना आपकी सेहत के लिए सेफ है? साथ ही कुछ हेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल के बारे में भी बताया है। आइसीएमआर (ICMR) द्वारा जारी की गयी रिपोर्ट के अनुसार, लोगों को सप्ताह में आधा किलोग्राम तक अपना वजन कम करना चाहिए। इससे ज़्यादा वजन कम करना आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है। आधा ग्राम वजन कम करना आपके लिए सुरक्षित है। इसलिए अगर आप वजन कम करने के लिए डाइट फॉलो कर रहे हैं तो एकदम खाना न बंद करें।

हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद सकते हैं ये फूड्स, डॉक्टर ने डाइट में शामिल करने की दी सलाह

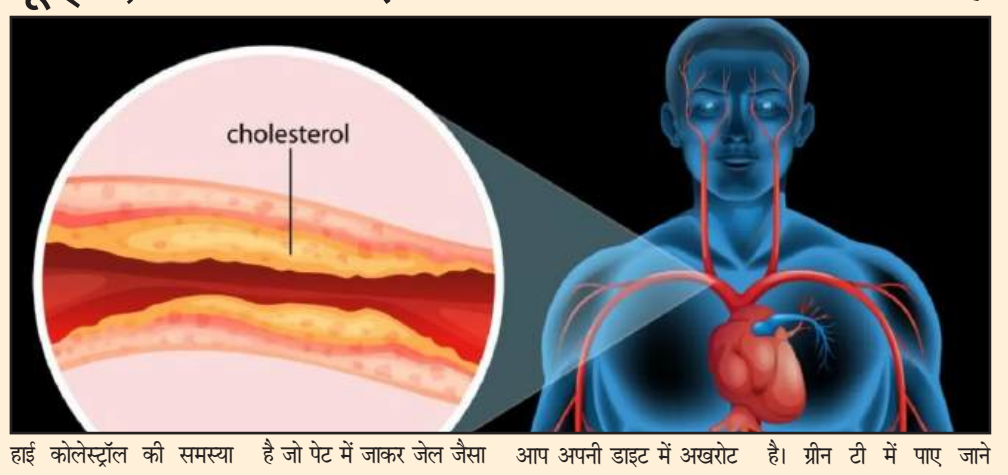

हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या आजकल काफी आम हो गई है। खराब खानपान, फिजिकल एक्टिविटी की कमी शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ा सकता है। हाई कोलेस्ट्रॉल लंबे समय तक बना रहे तो हार्ट हेल्थ पर भी असर पड़ सकता है। ऐसे में दवाओं के साथ सही डाइट लेना भी बेहद जरूरी है। डॉक्टर शुभम वत्स के मुताबिक, डाइट में कुछ हेल्दी फूड्स शामिल करके कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

ओट्सः कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में ओट्स फायदेमंद है। ओट्स में बीटा ग्लूकॉन नामक सॉल्यूबल फाइबर पाया जाता है जो पेट में जाकर जेल जैसा पदार्थ बनाता है। यह जैल कोलेस्ट्रॉल को बांध लेता है और मल के जरिए शरीर से बाहर निकल जाता है। हालांकि, मार्केट के फ्लेवर वाले ओट्स की खरीदने की बजाय स्टील कट या रोल्ड ओट्स का इस्तेमाल करें। फ़्लेवर वाले ओट्स में चीनी, नमक और केमिकल होती हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकती हैं।

अखरोटः सभी ड्राई फ्रूट्स में अखरोट को हार्ट हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह प्लांट बेस्ड ओमेगा थ्री फैटी एसिड है जो शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। यानी, जब आप अपनी डाइट में अखरोट को शामिल करते हैं तो इससे खराब कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल होता है। इसके अलावा इसमें मौजूद पॉलीअनसेचुरेटेड फैट्स आर्टरीज़ की दीवारों को स्वस्थ और लचीला बनाए रखने में मदद करते हैं।

लहसुनः कच्चे लहसुन में एलिसिन नामक सल्फर कम्पाउंड पाया जाता है जो बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल कर, दिल की सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है। इसे कच्चा और खाली पेट खाना सबसे फायदेमंद माना जाता है।

ग्रीन टीः ग्रीन टी वजन कंट्रोल करने के साथ कोलेस्ट्रॉल को भी कंट्रोल करने में फायदेमंद है। ग्रीन टी में पाए जाने वाले कैटेचिन और एंटी-ऑक्सीडेंट्स मेटाबॉलिज्म को तेज करते हैं। इससे वजन नियंत्रित रहता है और शरीर का खराब कोलेस्ट्रॉल घटने में मदद मिलती है।

अलसी के बीजः दिल की सेहत के लिए ओमेगा थ्री फैटी एसिड की इम्पोर्टेंस को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता है। अलसी में मौजू अल्फा-लिनोलेनिक एसिड नामक ओमेगा-3 फैटी एसिड दिल की नसों को स्वस्थ रखता है, सूजन कम करता है और खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाकर ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

चंद रोज ही मिलता है ये फल, विटामिन से भरपूर है, कई बीमारियों के खतरे को करता है कम

गर्मियों में जितना हो सके फल और सब्जियों का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर को भरपूर फाइबर, विटामिन और मिनरल मिलते हैं। फल और सब्जियां खाने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती है। हालांकि डॉक्टर्स सीजनल फल सब्जियां खाने की सलाह देते हैं। गर्मियों में ऐसे कुछ फल आते हैं जो सिर्फ कुछ महीने के ही मेहमान होते हैं। इन्हीं में से एक है शहतूत, हरे और हल्के पीले रंग का शहतूत ऐसा फल है, जो कई गुणों से भरपूर है। गर्मियों में आने वाला मीठा और स्वादिष्ट फल है शहतूत, जो लोगों को काफी पसंद आता है। सेहत के लिहाज से देखें तो शहतूत विटामिन और पोषक तत्वों का खजाना है। जानिए शहतूत खाने से क्या फायदे मिलते हैं? शहतूत में ऐसे कई विटामिन पाए जाते हैं जो आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित होते हैं। शहतूत खाने से शरीर को विटामिन सी मिलती है जिससे इम्यूनिटी मजबूत होती है। शहतूत में विटामिन बी2, आयरन, पोटैशियम, डाइटरी फाइबर, विटामिन ई और विटामिन के पाया जाता है। बिना छिलके वाले फल शहतूत कई विटामिन और फाइबर का अच्छा सोर्स है।

इम्यूनिटी बढ़ाए- शहतूत में विटामिन सी की मात्रा भरपूर होती है जिससे इम्यूनिटी मजबूत होती है। किसी भी संक्रमण का खतरा भी कम होता है।

बालों और त्वचा के लिए फायदेमंद- शहतूत में एंटीऑक्सीडेंट तत्त्व पाएं जाते हैं, जो स्किन और बालों के लिए फायदेमंद साबित होते हैं। त्वचा का रूखापन बालों के नेचुरल कलर को बनाए रखने में मदद मिलती है। इससे बालों का झड़ना भी कम होता है।

कैंसर रोगियों के लिए फायदेमंद- शहतूत में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो कैंसर के जोखिम को कम करते हैं। शहतूत में पॉलीफेनोल्स और फ्लेवोनॉयड जैसे प्लांट बेस्ड यौगिक पाए जाते हैं। ये तत्व कैंसर सेल्स को कम करने में मदद करते हैं।

इन बीमारियों में फायदेमंद- शहतूत खाने से कई तरह की बीमारियों को दूर किया जा सकता है। शहतूत हार्ट, आंखों और बोन्स के लिए अच्छा है। मेंटल हेल्थ और आंत की सेहत के लिए भी शहतूत फायदेमंद साबित होता है।

तपती गर्मी में शरीर का सुरक्षा कवच है खस का शरबत, पीते ही मिलेगी ठंडक और एनर्जी

मई की भीषण गर्मी में पारा आसमान छू रहा है। चिलचिलाती तेज धूप मानो त्वचा को जला ही देगी। घर से धूप में बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। जरा सी लापरवाही से लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में शरीर को ठंडा रखने के लिए खस का शरबत जरूर पिएं। कुछ लोग इसे खसखस का शरबत भी कहते हैं। खस का शरबत आपको गर्मी की चपेट से बचाने में मदद करेगा। खस की तासीर ठंडी होता है, जिससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है। गर्मी में जब शरीर में पानी की कमी होने लगती है तो खस के शरबत आपको हीट स्ट्रोक के खतरे से बचाएगा। शरीर को हाइड्रेट रखने के अलावा खस का शरबत तुरंत एनर्जी देगा। जानिए खस का शरबत पीने के फायदे क्या हैं? खास एक खुशबूदार घास होती है। गर्मी से बचने के लिए पहले लोग खसखस यानि इसी घास का उपयोग किया करते थे। लोग घरों में खिड़कियों पर खसखस की टटिया लगाया करते थे ताकि घर ठंडा रहे। इस घास से रस निकाला जाता है जिसका उपयोग कई खाने-पीने की चीजों में किया जाता है। खस में ऐसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर को फायदा पहुंचाते हैं।

गर्मी में खस के शरबत पीने से शरीर को तुरंत एनर्जी मिलती है।

खस का शरबत शरीर को हाइड्रेड रखता है और पीने की कमी दूर करता है।

इस मौसम में हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है खस का शर्बत लू लगने से भी बचाता है।

खस का शरबत पीने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा बना रहता है।

इस तेल के इस्तेमाल से नसों में जमने लगता है बैड कोलेस्ट्रॉल

भारतीय खाने में तेल का इस्तेमाल बहुत ज्यादा होता है, जो सीधे आपकी सेहत पर असर डालता है। लेकिन एक तेल ऐसा है जिसके इस्तेमाल से आपक कोलेस्ट्रॉल लेवल तेजी से बढ़ता है। शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से नसें ब्लॉक होने लगती हैं जिससे हार्ट से जुड़ी बीमारियों और स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ बढ़ता है। जी हां, हम पाम ऑयल की बात कर रहे हैं। बिस्किट, चिप्स नमकीन और कई तरह के पैक्ड फ़ूड बनाने के लिए पाम ऑयल का इस्तेमाल किया जाता है। चलिए जानते हैं पाम तक का इस्तेमाल करना सेहत के लिए क्यों हानिकारक है? पाम का तेल ताड़ के पेड़ों के फल से बनाया जाता है। यह एक खाद्य वेजिटेबल ऑयल है। जिसक इस्तेमाल प्रोसेस्ड फूड, चिप्स और बिस्किट बनने के लिए किया जाता है। लेकिन जब इस तेल की भारी मात्रा आपकी बॉडी के अंदर जाती है तो इससे आपका कोलेस्ट्राल लेवल तेजी से बढ़ता है। कोलेस्ट्रॉल रक्त में पाया जाने वाला एक तरह का मोम जैसा पदार्थ है। कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल और बैड कोलेस्ट्रॉल जिसे एलडीएल और एचडीएल भी कहा जाता है। इस वजह से ब्लड फ्लो और हृदय रोग का खतरे बढ़ जाता है।

नॉन स्टिक बर्तन में खाना पकाने पर ICMR ने किया आगाह, जानें क्यों है सेहत के लिए खतरनाक?

बदलती लाइफस्टाइल में सिर्फ लोगों के रहने सहने का तरीका ही नहीं बदला है बल्कि खाना पकाने का तरीका भी बदल गया है। पहले जहां लोग स्टील या एल्युमिनियम के बर्तनों का इस्तेमाल करते थे वहीं अब लोग नॉन स्टिक बर्तनों का इस्तेमाल करने लगे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं नॉन स्टिक बर्तन आपकी सेहत के लिए खतरनाक हो सकते हैं। हाल ही में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) ने एक गाइडलाइन जारी कर लोगों को यह बताया कि नॉन स्टिक पैन में खाना क्यों नहीं पकाना चाहिए। नॉन स्टिक कुकवेयर में खाना बनाना बेहद आसान होता है और इसमें तेल भी कम इस्तेमाल होता है। कोटिंग की वजह से इसमें सब्जियों के जलने का भी डर नहीं रहता है। लेकिन हाल ही में रिसर्च में यह कहा गया है कि नॉन स्टिक बर्तनों का इस्तेमाल आपकी सेहत के लिए नुकसान दायक साबित हो सकता है। नॉन स्टिक बर्तनों में कोटिंग की जाती है। खाना बनाते समय यह कोटिंग खुरच कर खाने में मिलती है जो आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक है। ऐसे में ICMR ने एक गाइडलाइन जारी कर लोगों को आगाह किया है कि नॉन स्टिक बर्तनों में खाना न बनाएं। इंडियन काउंसिल मेडिकल रिसर्च (ICMR) ने खाना पकाने के लिए मिट्टी के बर्तनों को सबसे ऊपर रखा है और सुरक्षित माना है। ICMR के गाइडलाइंस के मुताबिक मिट्टी के बर्तनों में किसी केमिकल का इस्तेमाल नहीं होता है। जिस वजह से खाने के नेचुरल टेस्ट गायब नहीं होता और न्यूट्रिएंट्स भी भरपूर मात्रा में मिलता है।

गर्मियों में इस चीज़ के सत्तू का सेवन करने से लू से मिलेगी तुरंत राहत

सत्तू सेहत के लिए बेहद ही फायदेमंद है इसका सेवन करने से आपकी बॉडी को तुरंत ठंडक मिलती है। दरअसल, गर्मियों के मौसम में लोगों की बॉडी बहुत जल्दी डिहाइड्रेटेड हो जाती है ऐसे में इसका सेवन करने से आपके पेट और शरीर को तुरंत ठंडक मिलती है। इस चिलचिलाती धूप में सत्तू का सेवन करने से आपका एनर्जी लेवल भी डाउन नहीं होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं गर्मी के मौसम में किस सत्तू का सेवन आपकी सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद है। गर्मियों में चने का सत्तू करना आपके लिए बेहद फायदेमंद है।चने के सत्तू में प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन ए, आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। चने का सत्तू शरीर को हाइड्रेटेड रखने के साथ आपके पेट को भी दिनभर ठंडा रखता है। रोज सुबह खाली पेट चने का सत्तू का सेवन करने से आपकी पाचन क्रिया बेहतर होती है और कब्ज की शिकायत नहीं होती है।

कब्ज से दिलाए राहतः सत्तू के सेवन से आपक पाचन तंत्र मजबूत होता है जिससे मॉल त्यागने में आसानी होती है और कब्ज की समस्या से राहत मिलती है। अगर आपको अक्सर गैस और एसिडिटी की तकलीफ रहती है, तो भी इसका सेवन कर सकते हैं।

वजन घटाने में फायदेमंदः सत्तू में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

गर्मी में क्यों बढ़ जाता है हार्ट अटैक का खतरा, ये वजह बन सकती हैं जान की दुश्मन

मई के महीने में ही तापमान 45 के पास पहंच गया है। भीषण गर्मी ने लोगों को परेशान कर दिया है। सुबह 9-10 बजे के बाद बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। जिन लोगों को हार्ट संबंधी बीमारियों का खतरा है उनके लिए ये मौसम मुसीबत बन सकता है। जी हां गर्मी के दिनों में शरीर में जो लक्षण नजर आते हैं कई बार लोग उन्हें लू या गर्मी का असर समझ कर नज़रअंदाज कर बैठते हैं। जबकि कई बार ये हार्ट अटैक के लक्षण भी हो सकते हैं। गर्मी में कई कारण हार्ट अटैक के खतरे को बढ़ा देते हैं। डॉक्टर से जानते हैं कि गर्मी में हार्ट अटैक का खतरा क्यों बढ़ जाता है। इसकी क्या वजह हैं और कैसे बचा जाए? शारदा हॉस्पिटल के इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ भुमेश त्यागी का कहना है कि सर्दियों में दिल का दौरा पड़ने का खतरा ज्यादा रहता है। वैसे किसी भी मौसम में हार्ट अटैक या हार्ट से जुड़ी दूसरी बीमारियां हो सकती हैं। गर्मी के मौसम में दिल का दौरा पड़ने और हार्ट फेल की घटनाएं भी काफी बढ़ जाती हैं। इसके पीछे मुख्य कारण हीट स्ट्रेस, डिहाइड्रेशन, इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन, बहुत अधिक और हाई इंटेंसिटी की फिजिकल एक्टिविटी, ज्यादा शारीरिक श्रम और ब्लड प्रेशर में बदलाव हैं।

जोड़ों के दर्द और सूजन में ये एंटी इंफ्लेमेटरी फूड्स पेनकिलर का करते हैं काम

जोड़ों का दर्द इतना असहनीय होता है कि लोगों का उठना बैठना दूभर हो जाता है। जोड़ों के दर्द के पीछे यूरिक एसिड और अर्थराइटिस जैसी बीमारी हो सकती है। जोड़ों में दर्द की वजह से अक्सर वहां सूजन बनी रहती है। ऐसे में जोड़ों के दर्द और सूजन से छुटकारा पाने के लिए आप इन एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर चीज़ों का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये न सिर्फ सूजन और डॉ को कम करते हैं बल्कि आपकी कमजोर हड्डियों को मजबूत भी बनाते हैं। तो, आइए जानते हैं जोड़ों के दर्द को कम करने के लिए आप किन चीज़ों का करें इस्तेमाल?

लहसुन है फ़ायदेमंदः लहसुन सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाता बल्कि जॉइंट्स पेन में भी बेहद फायदेमंद है। लहसुन में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण जोड़ो के दर्द और सूजन को कम करने में लाभकारी है। लहसुन के पेस्ट को तेल में गर्म करके जोड़ पर लगाने से राहत मिलती है। 1 लहसुन की कली रोज पका कर खाने से भी आपको फायदा होगा। इसके सेवन से आपका ब्लड सर्कुलेशन भी सही होता है और सूजन में कमी आती है।

हल्दी है फ़ायदेमंदः हल्दी में मौजूद करक्यूमिन एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर एक एक शक्तिशाली कंपाउंड है। अगर आपको चोट लग जाए या चोट की वजह से सूजन आ जाए तो तुरंत हल्दी की गाँठ को पीसकर लगाना चाहिए। इससे सूजन और दर्द से तुरंत आराम मिलता है। साथ ही आप अपनी डाइट में हल्दी वाला दूध शामिल करें इससे जोडों के दर्द को कम करने में मदद मिलती है। तो, रोज रात में सोने से पहले हल्दी वाला दूध पिएं।

दालचीनी है फ़ायदेमंदः जोड़ों के दर्द से अगर आप उठ बैठ नहीं पा रहे हैं तो इसको कम करने के लिए दालचीनी एक बेहतरीन विकल्प है। इस एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर मसाला का सेवन करने से जोड़ों के दर्द में आराम मिलता है। साथ ही यह ज्वाइंट्स के बीच घर्षण को कम करने में भी मदद करता है।

अदरक है फ़ायदेमंदः अदरक भी एक एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर मसाला है। इसमें मौजूद जिंजरोल कंपाउंड जॉइंट्स के सूजन और दर्द को कम करने में मदद करता है। अदरक उबाल कर इसका पानी पिएं। आप अदरक का लड्डू बनाकर भी खा सकते हैं। इसके अलावा आप कच्चा अदरक भी चबा सकते हैं। जोड़ों में दर्द और सूजन की समस्या उम्र बढ़ने के साथ अधिक देखने को मिलती है, लेकिन आजकल खराब जीवनशैली, शारीरिक गतिविधि की कमी और बढ़ते वजन के कारण युवा भी इससे परेशान हो रहे हैं। लहसुन में ऐसे यौगिक पाए जाते हैं जिनमें सूजन कम करने वाले गुण माने जाते हैं।

यूपी से कश्मीर तक बाढ़ से हाहाकार! कहीं नदी में समाई टंकी तो कहीं डूब गए घाट

देश के कई इलाकों में बादल आफत बनकर बरस रहे हैं। पहाड़ों में एक-एक कदम बहुत संभल कर चलना पड़ रहा है। ऐसा लगता है कि जैसे आसमानी आपातकाल का अलार्म बजा चुका है। जान लें कि मानसूनी बारिश के कारण इन दिनों कई नदियां उफान पर हैं। गंगा नदी में बाढ़ का पानी भी आसपास के इलाके काट रहा है। इस आर्टिकल में जानें कि बाढ़ ने यूपी से कश्मीर तक कितनी तबाही मचाई है। यूपी के बलिया में गंगा नदी में बाढ़ का पानी कहर बरपा रहा है, जिससे पूरी की पूरी 20 फीट से ज्यादा ऊंची पानी की टंकी ही गंगा में समा गई। वहीं, एमपी के रीवा में बाढ़ का पानी सोसायटी में घुस गया है। घरों के ग्राउंड फ्लोर पानी में डूब गए हैं। लोगों को पहली मंजिल पर जिंदगी काटनी पड़ रही है। पुलिस वाले राहत और बचाव काम के लिए गले तक पानी में डूब कर लोगों को बचा रहे हैं। इसके अलावा, पंजाब के मोहाली में पानी की बीच धार में ये जो पिकअप वाहन फंसा, उसमें भैंस थी। पानी के अचानक बढ़ने से रास्ते में ही ये पिकअप फंस गया लेकिन किसी तरह से भैंस और ड्राइवर को निकाला गया। उत्तराखंड के देहरादून में इस वक्त रेड अलर्ट है।

आरक्षण विरोधियों पर भड़के आठवले और चिराग पासवान, बोले- मांग करने वालों पर दर्ज हो राजद्रोह

केंद्रीय मंत्री एवं 'रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले)' के प्रमुख रामदास आठवले ने आरक्षण का विरोध करने वालों या इसे खत्म करने की मांग करने वालों के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज करने की रविवार को मांग की। उन्होंने कहा कि आरक्षण संवैधानिक अधिकार है। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि आरक्षण किसी को दी हुई खैरात नहीं, बल्कि एक संवैधानिक अधिकार है। आठवले ने एक बयान में कहा कि आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन (जिनमें दिल्ली के जंतर-मंतर पर घोषित प्रदर्शन भी शामिल हैं) ने इस मुद्दे को फिर से चर्चा में ला दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर भी आरक्षण व्यवस्था को खत्म करने या उसमें बदलाव की मांग को लेकर अभियान चलाए जा रहे हैं। आठवले ने कहा, 'आरक्षण का विरोध संविधान का विरोध है। जो लोग आरक्षण-विरोधी रुख अपनाते हैं, वे संविधान-विरोधी हैं और उनके खिलाफ राजद्रोह के तहत कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।' उन्होंने कहा कि कुछ लोग आरक्षण खत्म करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन इसे समाप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह संविधान प्रदत्त अधिकार है। जातिगत आरक्षण पर छिड़ी बहस के बीच केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने अपना एक पुराना वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'मैंने 10 फरवरी 2020 को देश की संसद में भी स्पष्ट रूप से कहा था कि आरक्षण किसी को दी हुई खैरात नहीं, बल्कि एक संवैधानिक अधिकार है। चिराग पासवान ने कहा, 'मेरी और मेरी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सोच बिल्कुल स्पष्ट है। आरक्षण को समाप्त करने की बात तो दूर, आरक्षण की समीक्षा भी हमें कभी स्वीकार्य नहीं है।' दिल्ली के जंतर-मंतर पर यूजीसी रिफॉर्म में आरक्षण को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने नए यूजीसी रिफॉर्म का विरोध करते हुए आरक्षण से जुड़े प्रावधानों पर आपत्ति जताई। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग

जंतर-मंतर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को लेकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यूजीसी रिफॉर्म में आरक्षण से जुड़े प्रावधानों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार और यूजीसी से इस मामले में हस्तक्षेप कर अपनी मांगों पर विचार करने की अपील की। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण व्यवस्था को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की और कहा कि उनकी मांगों को जल्द सुना जाना चाहिए। प्रदर्शन को देखते हुए इलाके में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रही। आरक्षण को लेकर दिए गए इन बयानों के बाद राजनीतिक स्तर पर बहस और तेज होने के आसार हैं। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि आरक्षण व्यवस्था सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से लागू की गई है और इसे समाप्त करने की मांग को संविधान की मूल भावना के खिलाफ नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कहा कि आरक्षण को लेकर किसी भी बदलाव की चर्चा संवैधानिक प्रावधानों और सामाजिक न्याय के उद्देश्य को ध्यान में रखकर ही होनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में लोग जंतर-मंतर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए अपनी मांगें रखीं।

आतंकी हाफिज सईद को लेकर NIA के पूर्व DG वाईसी मोदी ने बताई चौंकाने वाली बातें

नई दिल्ली। NIA के पूर्व डीजी वाईसी मोदी ने इंटरव्यू के दौरान बताया है कि कुख्यात आतंकी हाफिज सईद किसकी पनाह में है। वाईसी मोदी ने बताया, "हाफिज सईद पाकिस्तानी आईएसआई और पाकिस्तानी सरकार की पनाह में है।" वाईसी मोदी ने कहा, "हाफिज सईद कहने के तो प्रिवेंटिव कस्टडी में है लेकिन उसके बावजूद भी वो सब जगह जाता है। Z plus सिक्योरिटी से भी बड़ी सिक्योरिटी जो होती है, उसका सुरक्षा घेरा उसके पास है क्योंकि उसको पता है कि उसके दुश्मन बहुत हैं।" वाईसी मोदी ने कहा, "अमेरिका का अपना बॉनाफाइड इन्टेंशन है, जिसकी वजह से अमेरिका जानते हुए भी कुछ नहीं करता, हालांकि वो अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी है। हाफिज सईद 26/11 का मास्टरमाइंड है और साजिद जट्ट यानी पहलगांव आतंकी हमले का जो मास्टरमाइंड है, उसको भी डायरेक्शन देने वाला है।" वाईसी मोदी ने कहा, "हाफिज सईद को पूरी तरह से पाक सरकार की सरपरस्ती है क्योंकि सरकारी लोग उससे लगातार मिलते हैं और उसके जो काम हैं, वो सब भी करते हैं, यहां तक कि जो सुरक्षा घेरा है, उसमें आतंकियों के साथ रेंजर्स एक साथ सिक्योरिटी कवर देते हैं। जो तस्वीरें आई हैं, वो बहावलपुर की और साथ में मुरीदके की हैं। इसमें बिल्कुल क्लीयर है कि मुरीदके और बहावलपुर में एक बार फिर से कैंप स्थापित हो गया है, जहां पर ऑपरेशन संध्या के दौरान गोले पड़े थे, उन्हीं जगहों को अपने फ्रंट फेस ऑर्गनाइजेशन और साथ में पाकिस्तानी सरकार ने मिलकर उनको पैसे दिए और उनसे वो पूरी तैयारी करवाई।" वाईसी मोदी ने कहा, "इसके साथ-साथ उनका स्ट्रक्चर बनाया और अब वो एक बार फिर से मर्कज बनकर तैयार हो गया है। ये साबित करता है कि पाकिस्तान आतंकियों का देश है और इसीलिए अंतर्राष्ट्रीय लेवल पर हम बार-बार उसे बता रहे हैं। पाकिस्तान को पहले भी 26/11 के बाद डोजियर हाफिज सईद का सौंपा गया था, जिसमें हाफिज सईद, उसका परिवार, साथ में मौलाना मसूद अजहर और उसका परिवार, इन सभी की डिटेल मौजूद थी, लेकिन उसके बावजूद भी उसने कुछ नहीं किया।

इसलिए एनआईए और मुंबई पुलिस ने पूरी इन्वेस्टिगेशन कंप्लीट करने के बाद इंडिविजुअल चार्जशीट भी हाफिज सईद के लिए डाली है और जो प्रोसिजर है, उसके तहत अब ये पूरी की पूरी जानकारी गृह मंत्रालय को औपचारिक तौर पर देने के साथ एक्सटर्नल अफेयर मिनिस्ट्री को दी जाएगी और एक्सटर्नल अफेयर मिनिस्ट्री पाकिस्तान की एक्सटर्नल अफेयर मिनिस्ट्री के जरिए सम्मन देगी।

ये महज पूरा एक सीक्वेंस है, जिसे करना अंतर्राष्ट्रीय लेवल पर बहुत जरूरी है ताकि पाकिस्तान को पूरी तरह से एक्सपोज किया जाए।" इससे पहले हाफिज तब चर्चा में आया था, जब पहलगाम टेरर अटैक में हाफिज सईद को भी आरोपी बनाया गया था और NIA ने चार्जशीट में उसका नाम शामिल किया था।

चौधरी चरणसिंह स्मारक केवल प्रतिमा नहीं, किसान चेतना और ज्ञान का केंद्र बनेगा : जयंत चौधरी

नई दिल्ली। भारत रत्न चौधरी चरणसिंह स्मृति संस्थान, सीकर के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने सीकर के रामू का बास तिराहे पर प्रस्तावित भारत रत्न चौधरी चरणसिंह की प्रतिमा एवं स्मारक की विस्तृत परिकल्पना प्रस्तुत की। इस दौरान स्मारक का 3D प्रस्तुतीकरण भी किया गया। प्रस्तावित स्मारक के वास्तुशिल्पीय स्वरूप के साथ चौधरी चरणसिंह के ऐतिहासिक जीवन, किसान-केंद्रित चिंतन, सामाजिक दर्शन और ज्ञान परंपरा को प्रमुखता देने की योजना बताई गई।

प्रो. नंदकिशोर मातवा, इंजीनियर हेमाराम रणवा एवं युवा उद्यमी अनिल धीवां ने जयंत चौधरी को स्मारक की डिजाइन, भावभूमि और वैचारिक अवधारणा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्मारक की परिकल्पना से प्रभावित जयंत चौधरी ने कहा कि चौधरी चरणसिंह का स्मारक केवल एक प्रतिमा या स्मृति स्थल तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके ऐतिहासिक जीवन, विचारों, सिद्धांतों, किसान चेतना और ज्ञान-दृष्टि का जीवंत प्रतिबिंब होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चौधरी चरणसिंह का योगदान केवल राजनीति तक सीमित नहीं था।

गोल्डी बराड़ ने हरदीप निज्जर की हत्या कराने का दावा किया, कहा- 'वह छोटे बच्चों से ड्रग्स बिकवाता था'

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने दावा किया है कि उसके गैंग ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की थी। एक लीक हुए ऑडियो में बराड़ को यह कहते सुना जा सकता है कि निज्जर ऐसे लोगों का समर्थन करता था, जो 16-17 साल के युवाओं को ड्रग्स बेचने के लिए इस्तेमाल करते थे। बराड़ का आरोप है कि ये लोग युवाओं को ड्रग्स बेचने और मुखबिरी करने के लिए ब्लैकमेल भी करते थे।

ऑडियो में बराड़ ने दावा किया है कि निज्जर ऐसे लोगों को समर्थन और ताकत देता था, ताकि जरूरत पड़ने पर वह उनका इस्तेमाल कर सके। बराड़ के मुताबिक, इसी वजह से उसे और उसकी टीम को निज्जर की हत्या करनी पड़ी। बराड़ ने यह भी कहा कि हर किसी को अपने किए की कीमत चुकानी पड़ती है। आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या 18 जून 2023 को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में एक गुरुद्वारे के बाहर हुई थी।

ऑडियो में गोल्डी बराड़ ने कहा कि "जो लोग 16-17 साल के बच्चों को ड्रग्स बेचने के लिए तैयार करते और उन्हें इसके लिए उकसाते थे, जो लोग बच्चों को ड्रग्स बेचने और मुखबिरी करने के लिए ब्लैकमेल करते थे। निज्जर ऐसे लोगों का समर्थन करता था और उन्हें मजबूत बनाता था, ताकि जरूरत पड़ने पर वह उनका इस्तेमाल कर सके।

इसी वजह से हमें, यानी मुझे और मेरी टीम को, निज्जर को मारना पड़ा। हर किसी को अपने किए का नतीजा भुगतना पड़ता है।" इंटेलिजेंस सूत्रों के मुताबिक, भारतीय एजेंसियां और अधिकारी लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि निज्जर की हत्या के पीछे गैंगवार और संगठित अपराध से जुड़ी गतिविधियां हो सकती हैं। भारतीय सूत्रों के मुताबिक, लॉरेंस बिश्नोई-गोल्डी बराड़ नेटवर्क की भूमिका को लेकर अमेरिका में हुई कार्रवाई ने इस आकलन को और मजबूती दी है। भारत पहले भी कनाडा के उन आरोपों को खारिज करता रहा है, जिनमें हत्या को भारतीय सरकारी एजेंटों से जोड़ा गया था। भारतीय पक्ष ने इन आरोपों के समर्थन में पर्याप्त सबूत नहीं होने की बात कही थी। इस ऑडियो के सामने आने से अब यह बात साफ है कि गोल्डी के आपसी गैंगवॉर में निज्जर की हत्या हुई थी, न कि भारतीय एजेंसियों ने हत्या कराई थी।

हिमाचल में मानसून का कहर, 149 सड़कें बंद, अब तक 224 मौतें, राज्य को 1121 करोड़ का हुआ नुकसान

हिमाचल प्रदेश में मानसून का कहर लगातार जारी है। भारी बारिश के कारण प्रदेश में सड़क, बिजली और पेयजल सेवाएं प्रभावित हुई हैं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (SEOC) की 23 अगस्त सुबह 10 बजे की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 149 सड़कें बंद, 60 बिजली वितरण ट्रांसफार्मर (DTR) बाधित और 35 पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं। सबसे ज्यादा सड़कें मंडी जिले में 86 बंद हैं। इसके अलावा कुल्लू में 31, शिमला में 10, चंबा में 8, कांगड़ा में 8, ऊना में 4, बिलासपुर में 1 और लाहौल-स्पीति में 1 सड़क बंद है। किन्नौर, सिरमौर और सोलन में फिलहाल कोई सड़क बंद नहीं बताई गई है। बिजली व्यवस्था की बात करें तो मंडी में 25 और चंबा में 20 DTR बाधित हैं। शिमला में 11, कांगड़ा में 3 और कुल्लू में 1 DTR प्रभावित है। वहीं, पेयजल योजनाओं में हमीरपुर की 30 योजनाएं, शिमला की 4 और कांगड़ा की 1 योजना प्रभावित है। SEOC की 30 जून से 22 अगस्त 2026 तक की संचयी रिपोर्ट के अनुसार मानसून सीजन में अब तक 224 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 330 लोग घायल हुए हैं और एक व्यक्ति लापता है। इनमें 91 मौतें आपदा से जुड़ी घटनाओं में और 133 मौतें सड़क हादसों में हुई हैं। आपदा से हुई 91 मौतों में भूस्खलन, बाढ़, डूबने, पत्थर गिरने और अन्य घटनाएं शामिल हैं। सड़क हादसे भी मानसून में जानलेवा साबित हुए हैं। निजी और सार्वजनिक संपत्तियों के साथ मकानों, दुकानों, गौशालाओं और अन्य ढांचों को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

NSA अजीत डोभाल चीन दौरे पर विदेश मंत्री वांग यी से मिलेंगे, क्यों खास है ये हाई लेवल मीटिंग?

अजित डोभाल अपने समकक्ष और चीनी विदेश मंत्री के साथ बैठक करेंगे।

भारत और चीन के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को लेकर कूटनीतिक स्तर पर एक अहम बैठक होने जा रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल सोमवार को चीन के बीजिंग शहर पहुंचेंगे। जहां वह भारत-चीन सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधि (Special Representatives) वार्ता में हिस्सा लेंगे। इस बैठक में उनके चीनी समकक्ष और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ सीमा विवाद समेत दोनों देशों के बीच संबंधों को लेकर अहम चर्चा होगी। यह वार्ता ऐसे समय हो रही है, जब भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी LAC पर तनाव कम करने और सैन्य टकराव की स्थिति से बाहर निकलने की प्रक्रिया जारी है। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था। इसके बाद पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन ने बड़ी संख्या में सैनिकों और सैन्य उपकरणों की तैनाती की थी। हाल के सालों में दोनों देशों के बीच सैन्य और राजनयिक स्तर पर कई दौर की बातचीत हुई है। इन वार्ताओं का उद्देश्य LAC पर सैनिकों की वापसी, डिसएंगेजमेंट और सीमा क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करना रहा है। विशेष प्रतिनिधियों की व्यवस्था भारत और चीन के बीच सीमा विवाद के राजनीतिक समाधान की तलाश के लिए बनाया गया महत्वपूर्ण मंच है। भारत की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और चीन की ओर से उनके समकक्ष इस तंत्र के तहत बातचीत करते हैं। इसका उद्देश्य केवल मौजूदा सैन्य तनाव को कम करना ही नहीं, बल्कि सीमा विवाद के व्यापक और दीर्घकालिक समाधान के लिए राजनीतिक स्तर पर रास्ता तलाशना भी है। डोभाल और वांग यी के बीच बातचीत में LAC की स्थिति, सीमा पर शांति, सैनिकों की तैनाती, सीमा प्रबंधन और दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से उठ सकते हैं। भारत लगातार यह स्पष्ट करता रहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता दोनों देशों के संबंधों के सामान्य होने के लिए बुनियादी शर्त है। वहीं, चीन भी सीमा विवाद को बातचीत के जरिए संभालने पर जोर देता रहा है। इस बैठक की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि भारत और चीन के बीच संबंधों में सुधार की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए दोनों पक्षों के बीच राजनयिक संवाद और सैन्य स्तर की बातचीत, दोनों महत्वपूर्ण हैं। डोभाल का यह दौरा इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि विशेष प्रतिनिधि वार्ता सीमा विवाद के सिर्फ तत्काल सैन्य प्रबंधन का मंच नहीं है, बल्कि भारत-चीन सीमा प्रश्न के दीर्घकालिक राजनीतिक समाधान की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। अजीत डोभाल की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत और चीन के बीच उच्चस्तरीय संवाद को आगे बढ़ाने की कोशिशें जारी हैं। डोभाल और वांग यी के बीच विशेष प्रतिनिधियों की 25वीं वार्ता मंगलवार को प्रस्तावित है। दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि सीमा विवाद के साथ-साथ सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के उपायों पर भी विचार कर सकते हैं। विशेष प्रतिनिधियों की बातचीत केवल सैनिकों की तैनाती से जुड़े तत्काल मुद्दों तक सीमित नहीं है।

ओडिशा में सरकारी स्कूलों में खाली पड़े शिक्षक पदों पर भर्ती की मांग को लेकर आंदोलन तेज

भुवनेश्वर। ओडिशा में सरकारी स्कूलों में खाली पड़े शिक्षक पदों पर भर्ती की मांग को लेकर शिक्षक अभ्यर्थियों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। शनिवार को आंदोलन का छठा दिन रहा। लोअर पीएमजी में सैकड़ों शिक्षक अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। सरकार के साथ बातचीत से कोई समाधान नहीं निकलने के बाद अभ्यर्थियों ने भूख हड़ताल शुरू करने का फैसला लिया। शिक्षक अभ्यर्थियों का कहना है कि उनकी मांग सिर्फ सरकारी स्कूलों में खाली पदों पर भर्ती शुरू करने की है। उनका आरोप है कि सरकार उनकी स्थिति से परिचित होने के बावजूद भर्ती को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रही है। ऑल ओडिशा टीचर्स एस्पिरेंट्स एसोसिएशन के बैनर तले शिक्षक अभ्यर्थी 17 अगस्त से लोअर पीएमजी में धरना दे रहे हैं। अभ्यर्थियों की मुख्य मांग सरकारी स्कूलों में खाली पड़े शिक्षक पदों को भरने के लिए जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू करना है। एसोसिएशन सरकारी प्राथमिक और हाईस्कूलों में खाली पदों के अलावा स्पेशल एजुकेटर और ओडिशा आदर्श विद्यालयों में रिक्त पदों पर भी भर्ती की मांग कर रहा है। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों के हाथों में पोस्टर और बैनर दिखाई दिए। इनमें लिखा था, "प्रतिश्रुति नहीं, नियुक्ति दो। हम भीख नहीं मांग रहे, अपना हक मांग रहे हैं।"

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक गजेंद्र सिंह राठौड़ के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व प्लॉट नंबर - 12 सी, श्री राम नगर विस्तार, स्कीम 12सी, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान - 331403 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. - RJBIL/26/A5611 प्रबंध सम्पादक - गजेंद्र सिंह राठौड़, मो. 9461119998, E-mail: info@zoomnews.in